राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 29 जनवरी 2025 वर्ष-8,अंक-06 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हाई अलर्ट

मौनी अमावस्या से पहले महाकुंभ में भीड़ का सैलाब

प्रयागराज।

महाकुंभ 2025 का 16वां दिन भारी भीड़ के चलते हुईं कुच्छ अव्यवस्थाओं के बीच गुजर रहा है। मौनी अमावस्या से एक दिन पहले संगम में स्नान करने के लिए लाखों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे। सुबह 8 बजे तक करीब 45.50 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में आस्था की डुबकी लगाई। अब तक 15 करोड़ से ज्यादा लोग कुंभ मेले में स्नान कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए सोमवार देर रात अधिकारियों की हाईलेवल बैठक की गई।

मौनी अमावस्या से एक दिन पहले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ प्रयागराज महाकुंभ में उमड़ी है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सोमवार रात अफसरों की हाईलेवल मीटिंग बुलाई गई। मीटिंग में क्राउड मैनेजमेंट पर चर्चा की गई और सुरक्षा व खुफिया एजेंसियों ने भीड़ नियंत्रण के लिए रणनीतियां बनाई गई हैं।

इसके साथ ही एआई कैमरों की निगरानी में पूरे मेला क्षेत्र को रखा गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैमरों से भीड़ और संभावित घटनाओं पर नजर रखी जा रही है।

डीएम ने श्रद्धालुओं और प्रयागराज के नागरिकों से अपील की है कि वे मेला क्षेत्र में कार का उपयोग न करें। पैदल, साइकिल या बाइक से आने की सलाह दी गई है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को ट्रैफिक की समस्या न हो।

सीमा विवाद सुलझाने के बाद और करीब आए भारत और चीन

कैलाश मानसरोवर यात्रा होगी शुरू, दोनों देश सीधी उड़ान पर हुए सहमत

नई दिल्ली।

भारत और चीन अब दोस्ती का हाथ बढ़ा रहे हैं। पुरानी बातें भूलकर दोनों रिश्तों की नई पटकथा लिख रहे हैं। इसका असर दिखने भी लगा है। पहले तो एलएसी पर सीमा विवाद सुलझा। दोनों देशों के सैनिक पीछे हटे। जहां-जहां तनाव था, वहां से डिसइंगेजमेंट हो गया। अब भारत और चीन फिर से कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू करेंगे। दोनों देश सीधी उड़ान पर सहमत हो गए हैं। भारत और चीन ने सोमवार को अपने रिश्तों के पुनर्निर्माण की दिशा में यह घोषणा की।

इसके तहत इस साल गर्मी के मौसम में कैलाश मानसरोवर की यात्रा फिर से शुरू हो सकती है। 2020 के बाद से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें बंद हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा पांच साल बाद शुरू होगी। साल 2020 में भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी और पैंगोंग त्सो झील के पास झड़पें हुई थीं। इन झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। हर तरह के संबंध तोड़ दिए थे। भारत और चीन के बीच सीधी उड़ान की सेवा बंद थी, लेकिन अब सब नॉर्मल होने जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर यात्रा फिर से शुरू करने पर कैसे चीन मान गया? भारत और चीन के बीच रिश्ते सुधरने की सबसे अहम वजह है बातचीत। 2020 में रिश्तों में दरार पड़ने के बाद दोनों देशों ने लगातार बातचीत की। बातचीत का नतीजा है कि अब दोनों देशों के बीच रिश्ते सामान्य होते नजर आ रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर महीने पीएम मोदी और शी जिनपिंग कजान शहर में ब्रिक्स समिट में मिले थे। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई।

पहला कॉलम

आज अपना 100वां मिशन लॉन्च करेगा इसरो

- जीएसएलवी-एफ 15 रॉकेट प्रक्षेपण का काउंटडाउन शुरू

श्रीहरिकोटा । इसरो के 100वें मिशन जीएसएलवी-एफ 15 रॉकेट के साथ सैटेलाइट एनवीएस-02 को लॉन्च करने का काउंटडाउन शुरू हो गया है। स्वदेशी क्रायोजेनिक स्टेज वाले रॉकेट को 29 जनवरी को सुबह 6.23 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से प्रक्षेपित किया जाएगा। 27 घंटे का काउंटडाउन पूरा करने के बाद रॉकेट सैटेलाइट को लेकर रवाना होगा। इसके साथ ही यह इसरो के नए अध्यक्ष वी नारायणन का पहला मिशन होगा। इसरो ने बताया कि जीएसएलवी-एफ15, एनवीएस-02 सैटेलाइट को भू-स्थिर स्थानांतरण कक्षा में स्थापित करेगा। इसकी 27.30 घंटे की उल्टी गिनती मंगलवार सुबह 02.53 बजे शुरू हुई। इसरो के अनुसार, नेविगेशन विद इंडियन कंस्टीलेशन भारत का स्वतंत्र क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम है। इसका उद्देश्य भारत और भारतीय जमीन से 1,500 किमी तक फैले क्षेत्र में उपयोगकर्ताओं को सटीक पोजीशन, वेलोसिटी और टाइमिंग सेवाएं प्रदान करना है। इसरो ने बताया कि यूआर सैटेलाइट सेंटर द्वारा डिजाइन और विकसित एनवीएस-02 उपग्रह का वजन लगभग 2250 किलोग्राम है। इसमें एल1, एल5 और एस बैंड में नेविगेशन पेलोड के साथ-साथ सी-बैंड में रेंजिंग पेलोड भी लगाया गया है, जैसा कि इसकी पहली पीढ़ी की सैटेलाइट एनवीएस-01 में था।

थर्ड पार्टी का बीमा होगा, तभी पेट्रोल पंपों से मिलेगा, डीजल और पेट्रोल?

बीमा के कागजात दिखाना होगा अनिवार्य

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सड़क परिवहन मंत्रालय को पत्र लिखा है। जिसमें थर्ड पार्टी बीमा को प्रोत्साहित करने के लिए नए नियम बनाने के लिए कहा गया है। संसदीय वित्त समिति ने अनुशंसा की है। तीसरे पक्ष के लिए बीमा को बढ़ावा देने के लिए थर्ड पार्टी बीमा अनिवार्य किया जाना चाहिए। मोटर वाहन अधिनियम में वाहन का थर्ड पार्टी बीमा कवर नहीं होने की दशा में पेट्रोल पंपों से डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति पर रोक लगनी चाहिए। वाहन का थर्ड पार्टी बीमा होने की दशा में एक्सीडेंट में तीसरे पक्ष को सुरक्षा प्रदान होती है। थर्ड पार्टी बीमा में वाहन मालिक की सुरक्षा कवर नहीं होती है। बीमा पॉलिसी में थर्ड पार्टी को कवर करना अनिवार्य करने की अनुशंसा की गई है। वित्त मंत्रालय के सुझाव के अनुसार जिस वाहन का थर्ड पार्टी बीमा नहीं हो। ऐसे वाहनों में पेट्रोल पंप से डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति पर रोक लगाने की बात कही गई है।

दिल्ली में आप के समर्थन में प्रचार करने उतरेंगे बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा

नई दिल्ली । तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार करते दिखाई देने वाले है। पार्टी सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। आप के सूत्र के अनुसार, आसनसोल से टीएमसी सांसद सिन्हा 1 और 2 फरवरी को करीब तीन निर्वाचन क्षेत्रों में आप के लिए प्रचार करने वाले है। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र, मुख्यमंत्री आतिशी का कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र और मनीष सिसोदिया का जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। टीएमसी का मानना है कि अभिनेता से नेता बने, जो बिहार से हैं, दिल्ली के पूर्वांचली मतदाताओं को एकजुट कर सकते हैं। शहर में पूर्वांचली एक प्रभावशाली मतदाता हैं। सूत्र ने कहा कि एक या दो और टीएमसी नेता दिल्ली में चुनाव प्रचार में शामिल हो सकते हैं। टीएमसी ने दिल्ली चुनाव के लिए आप को समर्थन दिया था, जहां भाजपा और कांग्रेस भी मैदान में हैं, इससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

ट्रंप ने किया पीएम मोदी को फोन आव्रजन जैसे गंभीर मुद्दे पर की बात

अमेरिका आने का दिया निमंत्रण, फरवरी में मिल सकते हैं दोनों दोस्त

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन कर पीएम मोदी को अमेरिका आने का निमंत्रण दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी फरवरी में अमेरिका जा सकते हैं। व्हाइट हाउस से यह बुलावा आया है। ट्रंप ने इसके संकेत दिए हैं। अगर ऐसा होता है तो ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद पीएम मोदी दुनिया के पहले नेता होंगे, जो वाशिंगटन जाएंगे और ट्रंप ने मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने यह भी बताया कि उन्होंने पीएम मोदी से इमिग्रेशन यानी आव्रजन जैसे गंभीर मुद्दे पर बात की।

डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि आज सुबह मेरी मोदी से लंबी बातचीत हुई। अगले महीने वह व्हाइट हाउस आ रहे हैं। शायद फरवरी में। ट्रंप ने कहा कि जब अवैध रूप से अमेरिका आए भारतीय प्रवासियों को वापस लेने की बात होगी तब पीएम मोदी सही फैसला लेंगे। एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे करीब 18,000 भारतीय प्रवासियों को वापस लेने के लिए तैयार हो गया है, जिसके बाद ट्रंप ने यह बात कही। हालांकि, अभी तक भारत की ओर से पीएम मोदी के दौरे पर मुहर नहीं लगी है।

भारत के विदेश मंत्री के साथ मुलाकात में ट्रंप के विदेश सचिव मार्को रुबियो ने अनियमित प्रवासन से संबंधित चिंताओं को दूर करने की इच्छा पर जोर दिया था। ट्रंप ने कहा है कि वह कुशल श्रमिकों के कानूनी प्रवासन के लिए तैयार हैं और भारत आईटी पेशवरों के अपने विशाल समूह के लिए जाना जाता है।

राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में उनकी आखिरी विदेश यात्रा भारत की थी। ट्रंप और पीएम मोदी के बीच अच्छे मित्रवत संबंध हैं। दोनों ने सितंबर 2019 में ह्यूस्टन और फरवरी 2020 में अहमदाबाद में दो अलग-अलग रैलियों में हजारों लोगों को संबोधित किया था। नवंबर 2024 में ट्रंप की शानदार चुनावी जीत के बाद मोदी उनसे बात करने वाले विश्व के तीन शीर्ष नेताओं में शामिल थे।

कुंभ स्पेशल ट्रेन पर पथराव, गेट नहीं खुलने पर चढ़ने वाले यात्रियों ने किया हंगामा

झांसी ।

झांसी से प्रयागराज जा रही एक विशेष ट्रेन पर हरपालपुर स्टेशन पर तब पथराव किया गया, जब प्लेटफार्म पर इंतजार कर रहे यात्रियों ने डिब्बों के दरवाजे बंद मिले। वीडियो में हमलावरों को ट्रेन पर पत्थर फेंकते और उसकी खिड़कियां तोड़ते हुए दिखाई दिए है, जबकि यात्री डर के मारे चीख रहे हैं। वीडियो में एक यात्री यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ट्रेन कल रात करीब 8 बजे झांसी स्टेशन से प्रयागराज के लिए रवाना हुई थी। ट्रेन हरपालपुर पहुंची और तभी हमला हुआ। उन्होंने ट्रेन को नुकसान पहुंचाया और अंदर पत्थर फेंके। उन्होंने यात्रियों को मारने की कोशिश की। यहां महिलाएं और बच्चे भी हैं। यह विशेष ट्रेन प्रयागराज में महाकुंभ के लिए चलाई जा रही है, जिसमें देश भर से पर्यटक आ रहे हैं। ट्रेन में सवार होने वाले ज़्यादातर यात्री आध्यात्मिक उत्सव में शामिल होने जा रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि कई लोग हरपालपुर (झांसी से करीब दो घंटे की दूरी पर) में ट्रेन में चढ़ने के लिए इंतजार कर रहे थे। लेकिन जब उन्होंने ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की तब उन्हें दरवाजे बंद मिले। इसके बाद यात्री हिंसक हो गए और डिब्बों पर पत्थर फेंकना शुरु कर दिया। उन्होंने ट्रेन के दरवाजों की खिड़कियां भी तोड़ दीं, जिससे अंदर बैठे यात्रियों में दहशत फैल गई।

कोटा में कोचिंग छात्रों के सुसाइड को रोकने के लिए कानून ला रही भजनलाल सरकार

राजस्थान हाईकोर्ट को दी इसकी जानकारी

जयपुर।

राजस्थान की कोचिंग नगरी कोटा में कोचिंग छात्रों के सुसाइड को रोकने के लिए भजनलाल सरकार कानून लाने जा रही है।

इसके लिए भजनलाल सरकार 31 जनवरी से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में आत्महत्या रोकने के संबंध में विधेयक लाएगी। यह जानकारी भजनलाल सरकार की ओर से हाईकोर्ट में दी गई। भजनलाल सरकार के जवाब को रिकॉर्ड पर लेकर हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई 10 फरवरी को तय की है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस वीके भारवानी की खंडपीठ ने आदेश कोचिंग स्टूडेंट की ओर से आए दिन आत्महत्या की घटनाओं पर लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर दिया। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने हाईकोर्ट को बताया कि भजनलाल सरकार कोचिंग सेंटर्स के संचालन के लिए कानून ला रही है। इसके लिए सभी बिंदुओं पर काम हो रहा हैं। संभावना है कि आगामी विधानसभा सत्र में यह बिल पेश कर दिया जाएगा।

दरअसल पिछली सुनवाई में राजस्थान सरकार की ओर से हाईकोर्ट में 33 जिलों में संचालित कोचिंग सेंटर्स की लिस्ट भी पेश की गई थी। इस पर हाईकोर्ट ने शर्मा सरकार से पूछा है कि क्यों न कानून बनने तक कोचिंग सेंटर्स के रजिस्ट्रेशन से संबंधित केंद्र सरकार की गाइडलाइन को लागू किया जाए? इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा था। कोटा में कोचिंग स्टूडेंट्स में बढ़ती सुसाइड की घटनाओं के बीच हाईकोर्ट ने करीब 9 साल पहले स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेकर याचिका दर्ज की थी।

इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सरकार से पूछा था कि वह कोचिंग स्टूडेंट्स में आत्महत्याओं की घटनाओं को रोकने के लिए क्या प्रयास कर रही है। इस पर सरकार की ओर से कहा गया कि हम इस संबंध में विधेयक ला रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगों के आरोपी को दी पैरोल, चुनाव प्रचार के बाद लौटना होगा जेल

ताहिर के वकील ने कहा- हम वादा करते हैं वे घर नहीं जाएंगे, होटल में ही रहेंगे

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद और दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को चुनाव प्रचार के लिए 6 दिन की पैरोल दे दी है। ताहिर इस बार ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम से मुस्तफाबाद सीट से उम्मीदवार हैं। ताहिर ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि चुनाव में 4 दिन बचे हैं, उसे चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी जाए। दिल्ली में 5 फरवरी को मतदान होना है और 8 फरवरी को परिणाम आएगा।

ताहिर हुसैन को हर दिन पुलिस खर्च के 2 लाख रुपए देने होंगे सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि ताहिर हुसैन को 29 जनवरी से 3 फरवरी तक दिन के समय चुनाव प्रचार के लिए रिहा किया जाएगा। रात में जेल लौटना होगा। कोर्ट ने हुसैन को सुरक्षा खर्च के तौर पर हर दिन 2.47 लाख रुपए देने को कहा है। इस तरह उसे 6 दिन में 14.82 लाख रुपए देने होंगे। हुसैन के वकील सिद्धार्थ अग्रवाल ने बताया कि चुनाव प्रचार के लिए केवल चार-पांच दिन बचे हैं। वह मुस्तफाबाद सीट से चुनाव लड़ रहा है। हम वादा करते हैं कि इस दौरान ताहिर घर नहीं जाएगा। होटल में रहेगा और इसकी पूरी डिटेल कोर्ट को दी जाएगी।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पैरोल याचिका का विरोध किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली दंगों में ताहिर का रोल बेहद गंभीर था। अगर राहत मिली तो हर कोई जेल से नामांकन फॉर्म भरेगा। सुप्रीम कोर्ट ने ताहिर के वकील से पूछा, दंगा के अलावा और कितने मामले हैं जिसमें जमानत नहीं मिली है। हुसैन के वकील ने बताया, दो मामलों में जमानत के लिए निचली अदालत में उसकी अर्जी लंबित है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि उस पर आईबी अधिकारी की हत्या का आरोप है। दिल्ली में दंगा फैलाने का आरोप है। इस दंगे में 56 लोगों की मौत हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप 29 जनवरी को 2 बजे तक बताएं कि जमानत देने पर फोर्स और बाकी चीजों के लिए कितना खर्च आएगा।

निर्वाण लड्डू पर्व पर बड़ा हादसा

बागपत में भगवान आदिनाथ के निर्वाण लड्डू पर्व पर बड़ा हादसा, 7 की मौत, 75 घायल

बागपत।

यूपी के बागपत में भगवान आदिनाथ के निर्वाण लड्डू पर्व पर मानस्तम्भ परिसर में बना लकड़ी से बना पैड ढह गया है। इसमें सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 75 से ज्यादा घायल हैं। मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। हादसे के बाद मौके पर भगदड़ मच गई। बताया गया कि एम्बुलेंस नहीं मिलने पर घायलों को ई-रिक्शा से अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा। घायलों में तकरीबन 15 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक बड़ौत शहर कोतवाली इलाके के गांधी रोड पर यह दर्दनाक हादसा हुआ। श्री दिगंबर जैन डिग्री कॉलेज मैदान पर बनाए गए मान स्तंभ का मंच टूट गया। इसमें दबने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। आज भगवान आदिनाथ के निर्वाण महोत्सव के तहत यहां धार्मिक कार्यक्रम होना था, इसके लिए यहां 65 फीट ऊंचा मंच बनाया गया था। मंच पर श्रद्धालुओं की संख्या ज्यादा होने से सीढ़ियां टूट गई। बताया जा रहा है कि मानस्तम्भ में विराजमान प्रतिमा जी का अभिषेक करने के लिए लगाई गई अस्थायी सीढ़ियां गिर गई हैं। इससे श्रद्धालु नीचे दब गए और भगदड़ मच गई।

हादसे में तरसपाल(66) पुत्र हुकमचंद गांधी रोड इमली वाली गली, अमित (35) पुत्र नरेश चंद, अरुण(48) पुत्र केशव राम, ऊषा (24) पत्नी सुरेंद्र, शिल्पी (24) पुत्री सुनील जैन, विनीत जैन (40) पुत्र सुरेंद्र, कमलेश जैन(65) पत्नी सुरेश चंद की मौत हो गई है। घायलों का उपचार जारी है। बता दें कि यह आयोजन करीब 25 सालों से हर साल होता है। जहां आयोजन हो रहा था वहां भराव किया गया था। मिट्टी में नमी थीं। आयोजन स्थल पर बनाए गए मंच की सीढ़ियों पर श्रद्धालु ज्यादा संख्या में चढ़ने से बल्लियों का बैलेंस बिगड़ गया और रस्सियां टूट गई।

हादसा होते ही ऊंचाई पर बना मंच भरभराकर नीचे गिर पड़ा और तकरीबन 15 पुलिस कर्मी और 75 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हो गए हैं। इनमें अभी तक सात की मौत हो चुकी है और कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं मृतकों के पोस्टमार्टम नहीं कराने को लेकर मौके पर मौजूद लोगों ने हंगामा कर दिया। घटना स्थल पर पुलिस राहत व बचाव कार्य में जुटी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धार्मिक ही नहीं साहित्य और पर्यटन का सांस्कृतिक आयोजन भी है महाकुंभ

विवेक रंजन श्रीवास्तव

कुंभ सदा से धार्मिक ही नहीं एक साहित्य और पर्यटन का सांस्कृतिक आयोजन रहा है और भविष्य में तकनीक के विकास के साथ और भी वृहद बनता जायेगा। इस वर्ष प्रयाग का कुंभ नये चैलेंज लिये आयोजित हो रहा है, हम सब की नैतिक व धार्मिक सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम स्वयं का ख्याल व सावधानियां रखते हुये ही कुंभ स्नान व आयोजन में सहभागिता करें, क्योंकि यदि मन चंगा तो कठौती में गंगा। और मन तभी चंगा रह सकता है जब शरीर चंगा रहे।

भारतीय संस्कृति वैज्ञानिक दृष्टि तथा एक विचार के साथ विकसित हुई है। बारह ज्योतिर्लिंग, इक्यावन शक्ति पीठ, बद्रीनाथ, द्वारका, जगन्नाथपुरी, रामेश्वरम के चारों धाम के दर्शनों के अतिरिक्त हमारी संस्कृति में नदियों के संगम स्थलों पर मकर संक्रांति, चंद्र ग्रहण व सूर्यग्रहण के अवसरों पर पवित्र स्नान की भी परम्परायें हैं। चित्रकूट व गिरिराज पर्वतों की परिक्रमा, नर्मदा नदी की परिक्रमा जैसे अद्भुत उदाहरण हमारी धार्मिक आस्था की विविधता के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रामाणिक द्योतक हैं।

हरिद्वार, प्रयाग, नासिक तथा उज्जैन में आयोजित होते कुंभ के मेले तो मूलतः स्नान से मिलने वाली शारीरिक तथा मानसिक शुचिता को ही केंद्र में रखकर निर्धारित किये गये हैं। साथ ही ये पर्यटन को धार्मिकता से जोड़े जाने के विलक्षण उदाहरण हैं। ऐसे में स्नान को केंद्र में रखकर ही महाकुंभ जैसा विशाल और अद्भुत पर्व मनाया जा रहा है, जो हजारों वर्षो से हमारी संस्कृति का हिस्सा है। पीढ़ियों से जनमानस की धार्मिक भावनायें और आस्था कुंभ स्नान से जुड़ी हुई हैं। प्रयागराज के नैसर्गिक महत्व तथा माँ गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के अनुपम संगम के कारण प्रयाग कुंभ सदैव विशिष्ट ही रहा है।

प्रश्न है कि क्या कुंभ स्नान को मेले का स्वरूप देने के पीछे केवल नदी में डुबकी लगाना ही हमारे मनीषियों का उद्देश्य रहा होगा? इस तरह के आयोजनों को नियमित अंतराल पर निरंतर स्वस्फूर्त आयोजन करने की व्यवस्था बनाने का निहितार्थ समझने की आवश्यकता है। आज तो लोकतांत्रिक शासन है, हमारी ही चुनी हुई सरकारें हैं जो जनहितकारी व्यवस्था महाकुंभ हेतु कर रही है पर कुंभ के मेलों ने तो पराधीनता के युग भी देखे हैं, आक्रांता बादशाहों के समय में भी कुंभ संपन्न हुये हैं और इतिहास गवाह है कि तब भी तत्कालीन प्रशासनिक तंत्र को इन भव्य आयोजनों का व्यवस्था पक्ष देखना ही पड़ा। समाज और शासन को जोड़ने का यह उदाहरण शोधार्थियों की रुचि का विषय हो सकता है। वास्तव में कुंभ स्नान शुचिता का प्रतीक है, शारीरिक और मानसिक शुचिता का। जो साधु संतो के अखाड़े इन मेलों में एकत्रित होते हैं वहां सत्संग होता है, गुरु दीक्षायें दी जाती हैं। इन मेलों के माध्यम से आध्यात्मिक उन्नयन के लिये जनमानस तरह तरह के व्रत, संकल्प और प्रयास करता है। धार्मिक यात्रायें होती हैं। लोगों का मिलना जुलना, वैचारिक आदान प्रदान हो पाता है। धार्मिक पर्यटन हमारी संस्कृति की विशिष्टता है। पर्यटन नये अनुभव देता है साहित्य तथा नव विचारों को जन्म देता है, हजारों वर्षो से अनेक आक्रांताओं के हस्तक्षेप के बाद भी भारतीय संस्कृति अपने मूल्यों के साथ इन्ही मेलों समागमों से उत्पन्न अमृत ऊर्जा से ही अक्षुण्य बनी हुई है।

जब ऐसे विशाल, महीने भर की अवधि तक चलने वाले भव्य आयोजन संपन्न होते हैं तो जन सैलाब जुटता है। स्वाभाविक रूप से वहां धार्मिक सांस्कृतिक नृत्य, नाटक मण्डलियों के आयोजन भी होते हैं, कला विकसित होती है। प्रिंट मीडिया व आभासी दुनिया के संचार संसाधनो में आज इस आयोजन की व्यापक चर्चा हो रही है। लगभग हर अखबार प्रतिदिन कुंभ की खबरों तथा संबंधित साहित्य के परिशिष्ट से भरा दिखता है। अनेक पत्रिकाओं ने तो कुंभ के विशेषांक ही निकाले हैं। कुंभ पर केंद्रित वैचारिक संगोष्ठियां हो रही हैं, जिनमें साधु संतो, मनीषियों और जन सामान्य की, साहित्यकारों, लेखकों तथा कवियों की भागीदारी से विकीपीडिया और साहित्य संसार लाभान्वित हुआ है। कुंभ के बहाने साहित्यकारों, चिंतकों को आंचलिक, सामाजिक परिवर्तनों की समीक्षा का अवसर मिलता है। विगत के अच्छे बुरे के आकलन के साथ साथ भविष्य की योजनायें प्रस्तुत करने तथा देश व समाज के विकास की रणनीति तय करने, समय के साक्षी विद्वानों, साधु संतों, मठाधीशों के परस्पर शास्त्रार्थो के निचोड़ से समाज को लाभान्वित करने का मौका यह आयोजन सुलभ करवाता है। क्षेत्र का विकास होता है, व्यापार के अवसर बढ़ते हैं।

कुंभ सदा से धार्मिक ही नहीं एक साहित्य और पर्यटन का सांस्कृतिक आयोजन रहा है और भविष्य में तकनीक के विकास के साथ और भी वृहद बनता जायेगा। इस वर्ष प्रयाग का कुंभ नये चैलेंज लिये आयोजित हो रहा है, हम सब की नैतिक व धार्मिक सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम स्वयं का ख्याल व सावधानियां रखते हुये ही कुंभ स्नान व आयोजन में सहभागिता करें, क्योंकि यदि मन चंगा तो कठौती में गंगा। और मन तभी चंगा रह सकता है जब शरीर चंगा रहे। प्रयागराज में आयोजित हो रहा महाकुंभ इसी धार्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक कार्यों की हमारी विरासत का साक्षी बना हुआ है।

संपादकीय

दोहरा निशाना

मतभेदों का सम्मान किया जाना चाहिए और सद्भाव से रहने की कुंजी एकजुटता है। यह कहना है राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने महाराष्ट्र के भिवंडी में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान ध्वाजारोहण के बाद कही। भागवत ने विविधा के संदर्भ में कहा कि गणतंत्र दिवस उत्सव के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर भी है। किसी को दबाया नहीं जाना चाहिए, आपकी अपनी विशेषताएं हो सकती हैं मगर आपको दूसरों के प्रति अच्छा व्यवहार करना चाहिए। यदि आपका परिवार दुखी है तो आप खुश नहीं रह सकते। अगर आप जीना चाहते हैं तो सामंजस्यपूर्ण जीवन जीना चाहिए। कुछ ही समय पहले भागवत द्वारा हर धर्म के देवी-देवताओं के सम्मान की भी बात की गई थी, जिस पर विवाद छिड़ गया था। सौहार्द और जिम्मेदारियों को लेकर की गई उनकी बात को लेकर एक बार फिर संदेह किया जा सकता है। संघ के तौर-तरीकों व विवादास्पद विचारों की बजाए भागवत का एकजुटता को लेकर दिया गया भाषण रणनीति भरा व दूरदर्शितापूर्ण कहा जा सकता है। मगर उनके विरोधियों को यह रास नहीं आ सकता। बहुसंख्यकों के हितों पर मुखर रूप से बोलने वाले भागवत अब देश में सभी को साथ रहने और इसे भारत की संस्कृति बताते हैं। हालांकि पिछले दिनों राम मंदिर निर्माण को देश की दूसरी आजादी से जोड़ने वाले उनके बयान पर कांग्रेस ने तल्ख टिप्पणी की थी। आरोप लगाया था कि वे संविधान को आजादी का प्रतीक नहीं मानते। यह कहना गलत नहीं है कि भागवत हिन्दुओं के नेता बनने की ललक के चलते विरोधाभाषी या विवादास्पद बयानबाजी करने से चूकना नहीं चाहते। भाजपा के संघ को दरकिनार करने के संकेतों से निपटने के लिहाज से भी वह पलटवार करते नजर आते हैं। कभी एक-दसरे के पूरक रहे भाजपा व संघ के मतभेदों को पाटने के उनके ये प्रयास भी हो सकते हैं। कड़वी गोलियों के दरम्यान कुछ मीठी चीजों को पलोभन के लिहाज से देते रहना भागवत की रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है। विपटल पर अपनी छवि सुधारने और जनता के समक्ष अपना महत्त्व बनाये रखने के हथकंडों की उन्हें जरूरत है। जिस सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बीज के दम पर भाजपा की फसल लहलहा रही है। उन बीज को संघ प्रमुख बेकार नहीं होने देना चाहेंगे, न ही उनके उन्नत संस्करणों पर पूरी तरह सत्ताधारी दल को काबिज ही होने देना चाहेंगे। विविधता व सामंजस्य की बात कर वह एक तीर से दो निशाने साधते नजर आ रहे हैं।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दु?ख देता है और न सुख।

इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है। महाभारत के युद्ध में अर्जुन ने भीष्म को बाणों से छलनी कर दिया और भीष्म पितामह को बाणों की शैय्या पर सोना पड़ा। इसके पीछे भी भीष्म पितामह के कर्म का फल ही था। बाणों की शैय्या पर लेटे हुए भीष्म ने जब श्री कृष्ण से पूछा, किस अपराध के कारण मुझे

यूसीसी की प्रयोगशाला है उत्तराखंड

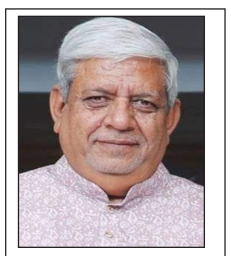

राकेश अचल

देश पर शासन करने वाली भाजपा और उसके सहयोगी दल सबको साथ लेकर सबका विकास करना ही नहीं चाहते ,इसका सबसे बड़ा प्रमाण है यूसीसी का उत्तराखंड में जबरन लागू किया जाना। भाजपा ने उत्तराखडं को यूसीसी की प्रयोगशाला बना दिया है। केंद्र यदि चाहता तो इस नए कानून को उत्तर प्रदेश समेत देश के उन तमाम राज्यों में एक साथ लागू करा सकता था जहाँ कि भाजपा की सरकारें है। लेकिन ऐसा नहीं किया गया ,क्योंकि केंद्र उत्तराखंड में इस कानून के नतीजे देखना चाहती है। इस कानून को अदालती परीक्षण से भी गुजरना चाहती है।

यूसीसी यानि समान नागरिक संहिता लागू करना भाजपा और संघ का बहुत पुराना सपना है। भाजपा के जरिये संघ अपने पुराने सपनों में खरामा-खरामा रंग भरने में जुटा है। छह साल पहले संघ ने भाजपा के जरिये जम्मू-कश्मीर से संविधान की धारा 370 हटाई और अब बारी समान नागरिक संहिता की है।भाजपा देश की विविधता को एक ही रंग में रंगना चाहती है और वो रंग है भगवा रंग। भाजपा को देश में एक भाषा,एक भूषा,एक खाना,एक चुनाव यानि सब कुछ एक चाहिए। अगर कुछ एक नहीं चाहिए तो वो है मुसलमानों की मौजूदगी।

मुझे भाजपा के इस अभियान से कोई आपत्ति नहीं है। भाजपा इस समय भारत -भाग्य विधाता है। वो जो चाहे सो करे ,कर सकती है। सत्ता उसके हाथ में है। लेकिन भाजपा भूल रही है कि पूरा देश उसके हाथ में नहीं है। केंद्र को यानि भाजपा को एक सम्मान नागरिक संहिता लागू करने से पहले ये जान लेना चाहिए कि देश में अलग-अलग क्षेत्रों की ,जातियों की परम्पराएं ,रीति-रिवाज एक नहीं है। उनमें दखल देना अक्षम्य अपराध है ,लेकिन भाजपा का चरित्र ही एक -दूसरे के मजहब में मदाखलत करने का है। इसके लिए भाजपा रोज नए रास्ते तलाश करती रहती है। पिछले दस साल से भाजपा यही सब तो कर रही है। इस मामले में भाजपा के अनुसन्धान निकाय का लोहा मानना पड़ेगा।

देश में एक सामान नागरिक संहिता और एक चुनाव ,एक भाषा लागू करने से पहले देश की तमाम आबादी का सामाजिक,शैक्षणिक और आर्थिक स्तर भी एक समान करना होगा। भाजपा भूल जाती है कि अभी देश में समानता से ज्यादा असमानता यानि की गैर बराबरी है। देश में आधी आबादी के पास न दो जून की रोटी है और न सिर पर छत या छप्पर। तन पर कपड़ा भी नहीं है। हर हाथ को काम भी नहीं है। 80 करोड़ जनता तो सरकार के पांच किलो अन्न पर जीवित है ,ऐसे में यूसीसी कैसे लागू की जा सकती है ? लेकिन इसका विस्मिल्लाह उत्तराखंड से हो गया है क्योंकि इस सूबे में यूसीसी से प्रभावित होने वालों की तादाद कमोवेश कम है और यहां इसका ज्यादा विरोध भी नहीं हो पायेगा ,होगा भी तो उससे निबट लिया जाएगा। भाजपा की सरकार के दुस्साहस का लोहा मै शुरू से मानता आया हूँ। लेकिन भाजपा में अभी इतना साहस नहीं है कि वो यूसीसी को उत्तर प्रदेश या केरल जैसे राज्यों में लागू कर दिखाए। इसके लिए भाजपा को एक -दो जन्म और लेना पड़ेंगे। भाजपा चूंकि संघ का उत्पाद है इसलिए उसे एक-दो जन्म लेने में भी कोई संकोच नहीं होगा। भाजपा को पुनः मूषक होने की आदत है। आपको याद होगा कि इसी भाजपा की अखंड,प्रचंड बहुमत वाली सरकार ने कुछ समय पहले किसनों के लिए तीन विवादास्पद कानून बनाये थे,लेकिन जब उनका देशव्यापी विरोध हुआ तब ये तीनों कानून वापस भी लेना पड़े ,ये बात और है कि भाजपा की सरकार ने कानून वापस लेने से पहले देश के 700 किसानों की बलि ले 'ायूसीसी भी न जाने कितने बलिदान लेकर मानेगी

केंद्र सरकार की कोशिश है कि देश में शांति न रहे। कुछ न कुछ ऐसा होता रहे जिससे लोग चैन से न सो सकें। अब केंद्र उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने के बाद वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिमों की घुसपैठ के साथ ही उसके मुकाबिल सनातन बोर्ड के गठन की रूपरेखा पर अमल करने वाले हैं। इस साल का महाकुम्भ इसका प्रयोग स्थल है। धर्म के ठेकेदार इस समय देश की सत्ता को संगम स्नान करने में लगे हुए हैं। सत्ता के एजेंडे पर काम करने में इन अखाड़ा प्रमुखों को कोई संकोच नहीं है। बल्कि देश के गृहमंत्री को गंगा स्नान करने में इन्हें अपना मोक्ष नजर आ रहा है। यानि सनातन धर्म भी अब सत्ता के समाने घुटनों के बल बैठ चुका है। गंगा ने शायद कभी हिन्दू-मुसलमान नहीं किया। उसमें सभी को नहाने की छूट दी,वो सभी के पाप धो देती है ,फिर चाहे वो चोर हो,जेबकट हो ,हत्यारा हो ,तड़ीपार हो। गंगा कभी ये नहीं कहती कि पहले हिन्दू बनकर आओ तभी मुझमें डुबकी लगाओ। लेकिन गंगा पुत्रों ने यही कोशिश की है कि गंगा को विधर्मी स्पर्श न कर लें। राजनीती करने वाले और धर्म के नाम पर दुकाने चलने वाले गंगा जैसी उदारता आखिर कहाँ से ला सकते हैं।

मुझे हैरानी होती है देश कि सबसे बड़ी अदालत के मौन पर ,क्योंकि देश की सबसे बड़ी अदालत ही अतीत में यूसीसी को डैड लैटर कह चुकी है लेकिन जब इसी कानून को उत्तराखंड में लागू किया जाता है तो सबसे बड़ी अदलात मौन साध लेती है। अब कोई जाये ,इस कानून को चुनौती दे ,तब शायद सबसे बड़ी अदालत इस कानून के सामविधान विरोधी चरित्र की समीक्षा करे। संविधान ने देश में 18 साल के बच्चों को मताधिकार दे दिया लेकिन यूसीसी इस उम्र के बच्चों को अपने मन से अपने जीवन साथी को चुनने का अधिकार नहीं देता। ये कानून कहता है कि यदि किसी बालिग को किसी के साथ लिव इन रिलेशन में रहना है तो पहले मम्मी-पापा से इजाजत लेकर आओ। क्या कमाल का प्रावधान है भाई!

बहरहाल उत्तराखंड की जनता को यूसीसी मुबारक हो। उत्तराखंड देवभूमि है। देवता हिन्दू-मुसलमान करते हैं या नहीं ,ये मै नहीं जानता। लेकिन मुझे इतना पता है कि ये कानून देश की समरसता को प्रभावित करेगा,इसलिए भाजपा को आग का ये खेल खेलने से पहले एक बार फिर इस कानून पर पुनर्विचार करना चाहिये। हम केवल सुझाव दे सकते हैं,सरकार का हाथ नहीं पकड़ सकत। ये काम तो जनता का है। जनता अपना काम करे या न करे, जनता की मर्जी है।

मुद्दा : मुफ्त की रेवड़ियों से बनती सरकार कितनी लाचार कितनी दमदार..!

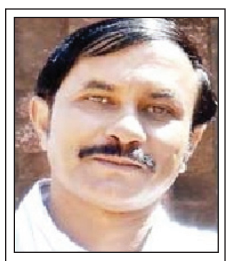

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल दिल्ली विधानसभा चुनाव, गठन के बाद से ही बेहद अलग, दिलचस्प और इतर राजनीतिक पहचान को लेकर चर्चित रहे हैं। यह सही है कि मौजूदा सरकार के सुप्रीमों केजरीवाल जैसी मुफ्त की रेवड़ियों का वादा सभी पार्टियां और राज्य न केवल करने लगे हैं बल्कि पूरा भी करते हैं। ऐसे में इस बार के चुनाव वाकई दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू जैसे होंगे। इतना है कि इस बार मुकाबला न केवल कांटे का बल्कि त्रिकोणीय सा बनता जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि सरकार किसी की बने लुभावनी योजनाओं का अंबार होगा। इससे दिल्ली की कितनी तकदीर बदलेगी यही देखने लायक होगा।

दिल्ली का चुनावी सफर भी दिलचस्प है। 1952 में पहली बार राज्य विधानसभा का गठन हुआ तब 48 सीटें थीं। कांग्रेस ने 36 सीटों पर जबरदस्त जीत दर्ज की। 34 वर्ष के चौधरी ब्रम्ह प्रकाश मुख्यमंत्री बने जो नेहरू जी की पसंद थे। दरअसल कांग्रेस देशबंधु गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही थी लेकिन एक हादसे में उनकी मृत्यु के चलते ब्रम्ह प्रकाश एक्सीडेण्टल मुख्यमंत्री बने। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रेवाड़ी के निवासी ब्रम्ह प्रकाश कभी भी मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहे। बिना तामझाम काम करते और जनसाधारण के बीच रहते। 1955 में कांग्रेस ने गुरमुख निहाल सिंह को मुख्यमंत्री बनाया जो 1956 तक रहे। राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के चलते साल भर बाद दिल्ली विधानसभा भंग हुई। 1966 में इसकी जगह मेट्रोपोलिटन काउंसिल बनी। इसमें 56 निर्वाचित और पांच मनोनीत सदस्यों का प्रावधान था। लेकिन 1991 में 69वें संविधान संशोधन के जरिए दिल्ली विधानसभा की व्यवस्था हुई और 1992 में परिसीमन और 1993 में चुनाव हुए।

1993 में भाजपा बहुमत में आई। मदन लाल खुराना मुख्यमंत्री बने और 1956 के बाद दिल्ली को कोई मुख्यमंत्री मिला। लेकिन 5 साल में 3 मुख्यमंत्री बदले गए। खुराना को घोटाले के आरोपों के चलते कुर्सी छोड़नी पड़ी फिर साहिब सिंह वर्मा आए और महंगाई के मुद्दे पर ऐसे घिरे कि उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा। इनके बाद सुषमा स्वराज को कमान मिली जो महज 52 दिन मुख्यमंत्री रहीं।

1998 के चुनाव में भाजपा ने सुषमा स्वराज को तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को आगे किया। कांग्रेस की जीत हुई और शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं। दिल्ली में फ्लाई ओवरों का जाल, मेट्रो रेल का विस्तार, डीजल की जगह सीएनजी के उपयोग को बढ़ावा और हरियाली पर खास ध्यान सहित दूसरे काम उनकी पहचान बने। 1998 से 2013 तक तीन बार लगातार दिल्ली की सत्ता पर कांग्रेस और शीला दीक्षित काबिज रहीं। इस बीच 2011 में जन लोकपाल विधेयक की मांग पर दिल्ली में अन्ना आंदोलन हुआ। अप्रेल में 5 दिन का आमरण अनशन और दोबारा 16 अगस्त से फिर अनशन बैठते ही देश भर में आन्दोलनों की दस्तक हुई। आखिर संसद में बिल पास हुआ और देखते-देखते अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, आतिशी और कई चेहरे भारतीय राजनीति के नए हीरो बन गए। आम आदमी पार्टी ने 2013 का दिल्ली चुनाव लड़ा और 15 वर्षों से काबिज कांग्रेस सरकार गिरा दी। 70 सीटों में भाजपा ने 32 जीती फिर भी बहुमत से दूर रही। आम आदमी पार्टी 28 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस की 7 सीटों के समर्थन से सरकार बनाने में कामियाब रही और अन्ना आन्दोलन से उपजे केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने।

कहते हैं राजनीति शह-मात का खेल है। आप और कांग्रेस की नहीं निभी। आखिर 49 दिन में सरकार गिर गई और राष्ट्रपति शासन लग गया। 2015 में फिर चुनाव हुए। इसमें दिल वालों की दिल्ली ने केजरीवाल पर अपनी उम्मीदों की बख्शीस खूब लुटाई। 70 में से 67 रिकॉर्ड सीटें जीतकर केजरीवाल भारतीय राजनीति के नए सितारे बन गए। भाजपा केवल 3 सीटें तो कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई। केजरीवाल भी अपनी तमाम घोषणाओं पर अमल करते रहे। नतीजन 2020 में एक बार आम फिर आदमी पार्टी ने 62 सीटें तो भाजपा 8 से आगे नहीं बढ़ पाई। कांग्रेस शून्य पर ही रही। लुभावनी योजनाओं का असर दिखा। आप को फिर बहुमत मिला और केजरीवाल मुख्यमंत्री बने। इसके बाद विवादों में घिरे, जेल गए और मुख्यमंत्री पद छोड़ा। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भले हैं लेकिन पार्टी सुप्रीमो केजरीवाल ही हैं।

बेहतरीन सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं को मुफ्त बस सुविधा, 200 यूनिट बिजली फ्री, 20 हजार लीटर मुफ्त पानी, बुजुर्गों का मुफ्त तीर्थ दर्शन जैसी अन्य योजनाओं के साथ नई-नई घोषणाएं करते केजरीवाल तो 1998 से 2013 तक के कार्यकाल को दिल्ली का स्वर्णिम काल बता कांग्रेस असली विकास और उपलब्धियां गिनाते नहीं थकती, आगे तमाम मुफ्त योजनाओं से भी परहेज करते नहीं दिखती। वहीं भाजपा मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की तर्ज पर महिलाओं को हर महीने धनराशि देने, मौजूदा योजनाओं को न केवल जारी रखने बल्कि उसमें बढ़ोत्तरी करने जैसा संकल्प यानी एक से एक लुभावनी घोषणाओं का पिटारा खोल आम आदमी पार्टी को चुनौती देने में कोई कसर छोड़ते नहीं दिखती। मुफ्त की रेवड़ियों, लोक-लुभावन घोषणाओं के बीच दिल्ली का प्रदूषण, यमुना की गंदगी, बदहाल सड़कें, बरसात में डूबते पुल-पुलिया, पीने के पानी की किल्लत, बढ़ते अपराध और इन सबसे ऊपर दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा जैसे अहम मुद्दे काफी पीछे छूट गए हैं। काश! एक करोड़ की आबादी खातिर मौजूदा संसाधनों वाली दिल्ली में तीन करोड़ लोग कैसे रहते हैं को देखने, सुनने वाले जैसे आम आदमी के मुद्दों की भी बात होती! लेकिन फिलाहाल माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम की तर्ज पर मतदाताओं को लुभाने में कोई पीछे नहीं दिखता। अब दिल्ली की बात कौन करे? देखने लायक होगा कि त्रिकोणीय मुकाबले में कौन किसको कितना नुकसान पहुंचाता है और बाजी जीतता है।

भारत में निवेश की घोषणाओं में 39 फीसदी की वृद्धि

वित्त वर्ष 25 के पहले 9 महीने में कुल निवेश 32 लाख करोड़

मुंबई । भारत के निवेश पारिस्थितिकी तंत्र और बाहरी वाणिज्यिक ऋण में पिछले कुछ वर्षों में कुछ बदलाव देखा जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में बताया है कि निवेश की घोषणाओं में वृद्धि हो रही है और निजी क्षेत्र का इसमें अहम योगदान है। वित्त वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों (अप्रैल से दिसंबर 2024) में कुल निवेश घोषणाएं 32.01 लाख करोड़ रुपये रही। यह पिछले साल की तुलना में 39 फीसदी अधिक है, क्योंकि वित्त वर्ष 24 में ये घोषणाएँ 23 लाख करोड़ रुपये थीं। इस वृद्धि से निवेश पर सकारात्मक रुझान दिख रहे हैं। निवेश घोषणाओं में निजी क्षेत्र का योगदान बढ़कर 70 फीसदी तक पहुंच गया है, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह आंकड़ा 56 फीसदी था। इसका मतलब है कि कॉर्पोरेट क्षेत्र में विश्वास मजबूत हो रहा है और कंपनियां ज्यादा निवेश करने के लिए तैयार हैं। मार्च 2024 तक भारतीय कॉर्पोरेट्स का कुल ग्रॉस ब्लॉक 106.50 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो मार्च 2020 में 73.94 लाख करोड़ रुपये था। पिछले 5 वर्षों में औसतन 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हर साल कॉर्पोरेट ग्रॉस ब्लॉक में हुआ है।

डीपसीक के हमले से विश्व के अमीरों की संपत्ति में भारी गिरावट

-जुकरबर्ग और बेजोस को हुआ फायदा

मुंबई। चीनी एआई डेवलपर डीपसीक ने दुनिया भर के टॉप अमीरों की संपत्ति में भारी नुकसान कर दिया है। डीपसीक के हमले के कारण अमेरिका समेत अन्य देशों की शेयर मार्केट में गिरावट आई है। डीपसीक के हमले के परिणाम स्वरुप दुनिया के टॉप 500 अमीरों की संपत्ति में गिरावट आ गई है। उनकी नेटवर्थ कुल मिलाकर 108 अरब डॉलर कम हो गई है। इस हमले से सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिकी शेयर मार्केट को हुआ है। अमेरिकी शेयर मार्केट में 3.1 फीसदी की गिरावट आई है और उसके परिणामस्वरूप अमेरिकी अरबपतियों को भी भारी नुकसान हुआ है। इस गिरावट का सबसे ज्यादा प्रभाव ओरेकल कॉर्प के को-फाउंडर लैरी एलिसन और एनवीडिया कॉर्प के को-फाउंडर जेन्सन हुआंग पर दिखा है। इन दोनों धनकुबेरों की संपत्ति में 20 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। इस गिरावट के बाद भी कुछ टेक कंपनियों के अरबपति अपनी संपत्ति में इजाफा देख रहे हैं। इसके बावजूद यह हमला टेक सेक्टर के दिग्गजों को 94 अरब डॉलर का नुकसान पहुंचा चुका है। सोमवार को हुई गिरावट के बाद मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति में बढ़ोतरी है जबकि जेफ बेजोस और बिल गेट्स भी इजाफा देख रहे हैं।

फेडरल बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में पांच प्रतिशत घटा

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में पांच प्रतिशत घटकर 955 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी तिमाही में बैंक ने 1,007 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 7,725 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 5,593 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ब्याज आय भी बढ़कर 6,809 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 5,730 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) सालाना आधार पर 2.29 प्रतिशत से सुधरकर 1.95 प्रतिशत हो गया। इसी तरह शुद्ध एनपीए 0.64 प्रतिशत से घटकर 0.49 प्रतिशत हो गया।

भारतीय विमान रखरखाव, मरम्मत व संरक्षण राजस्व 50 फीसदी बढ़ने की उम्मीद: क्रिसिल

- राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 4,500 करोड़ हो सकता है पार

मुंबई।

विमानन कंपनियों के अपने बेड़े का आकार बढ़ाने से पैदा हुई मांग के बीच भारतीय एमआरओ उद्योग को अगले वित्त वर्ष में 4,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त करने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने तीन एमआरओ परिचालकों पर आधारित एक अध्ययन में इस उत्थान की भविष्यवाणी की है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू विमान रखरखाव, मरम्मत और संरक्षण उद्योग का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 4,500 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा, जिसमें 2023-24 की तुलना में 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होगी। एमआरओ कंपनियों को घरेलू एमआरओ कंपनियों के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी और उनकी कार्यशील पूंजी का संभावित बढ़ना भी होगा। भारतीय एमआरओ कंपनियां मुख्य रूप से तीन प्रकार की सेवाएं प्रदान करती हैं - लाइन चेक, एयर फ्रेम चेक और पुनर्वितरण जांच। रिपोर्ट के अनुसार, इन सेवाओं में वृद्धि की संभावना है और नए विमानों के शामिल होने से भारतीय परिचालकों के हवाई बेड़े में वृद्धि देखने की उम्मीद है।

क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक ने बताया कि पुनर्वितरण जांच की वृद्धि के समय प्रेरित होने से सभी विमान घटकों पर गीएसटी इनपुट टैक्स कम होगा। इस सुधार से भारतीय एमआरओ कंपनियों की उदारि और व्यापकता में वृद्धि की उम्मीद है।

भारत-इंडोनेशिया के बीच व्यापार में 30 अरब डॉलर की हो सकती है वृद्धि: बाकरी

नई दिल्ली ।

इंडोनेशिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केएडीआईएन) के प्रमुख अनिंद्य बाकरी ने दूसरे देशों के साथ भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार की संभावनाओं के बारे में व्यापक चर्चा की। बाकरी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार का हो सकता है बड़ा बढ़ता हुआ संबंध जिससे भारत और इंडोनेशिया के बीच व्यापार करीब 30 अरब अमेरिकी डॉलर का हो सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देश एक साथ मिलकर वृद्धि करेंगे और प्रभावी तरीके से विश्व की सेवा करेंगे। इस व्यापार के बड़े मौके को देखते हुए भारत और इंडोनेशिया के बीच सांस्कृतिक संबंध, व्यापार व निवेश संबंधों को गहरा करने में केंद्रित कंपनी बाकरी एंड ब्रदर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पहले भारत और इंडोनेशिया के इस वर्ष व्यापार व निवेश पर कार्य समूह की दूसरी बैठक होगी, जिसमें दोनों देशों के व्यापार मंत्रियों के समाधान के लिए उम्मीद है। इसके साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वक्ताओं ने ब्रिक्स देशों के साथ बातचीत की महत्वता को भी उजागर किया।

टियर 2 और टियर 3 बाजारों में 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे

भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी अगले दशक में 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी

नई दिल्ली ।

एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारतीय छोटे शहरों के तेज विकास से साल 2033 तक टियर 2 और टियर 3 शहर के बाजारों में लगभग 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है। इसका 75 प्रतिशत हिस्सा पुरुष और 25 प्रतिशत हिस्सा महिलाएं होंगी। विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद का अनुमान है कि भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी अगले दशक में 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी। वर्तमान में पर्यटन और आतिथ्य सेक्टर देश में रोजगार का लगभग 8 प्रतिशत योगदान करता है। रिपोर्ट के मुताबिक क्षेत्रीय खर्च 2034 तक 1.2 गुना बढ़ने की संभावना है और इससे देश में कुशल कार्यबल की मांग और अधिक बढ़ेगी। महामारी के प्रभाव के बाद अधिक कनेक्टिविटी और धार्मिक पर्यटन की लोकप्रियता के कारण टियर 2 और 3 शहर अब पर्यटन के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2028 तक, इस क्षेत्र से 59 बिलियन डॉलर का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है और 2030 तक अस्थायी और स्थायी नौकरियां सृजित होंगी। धार्मिक पर्यटन केंद्र जैसे अयोध्या, वाराणसी, हरिद्वार और मथुरा इस वृद्धि का नेतृत्व कर रहे हैं। आगे बढ़ रहे शहरों में लखनऊ, जयपुर, कोच्चि और ऋषिकेश भी हैं। इन शहरों में नए ट्रेंड्स जैसे डेस्टिनेशन वेडिंग, एडवेंचर स्पोर्ट्स, इकोटूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन भी उभर रहे हैं। इस क्षेत्र के विकास के लिए टूर गाइड, होटल स्टाफ और स्थानीय कारीगरों को अच्छे से प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गत दिवस की भारी गिरावट से उबरते हुए मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ । सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसक्स 535.24 अंक करीब 0.71 फीसदी की बढ़ोतरी लेकर 76,190.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (निफ्टी) भी अंत में 128.10 अंक तकरीबन 0.56 फीसदी ऊपर आकर 22,957.25 पर बंद हुआ। आज निफ्टी के 28 स्टॉक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। सबसे ज्यादा बढ़त बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, श्रीराम फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में रही। इनकी बढ़त 4.32 फीसदी तक रही जबकि सन फार्मा, हिंदाल्को, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रासिम के स्टॉक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए, जिनकी गिरावट 4.24 फीसदी तक रही।

बड़ी कंपनियों के बाजारों में मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.51 फीसदी और 1.81 फीसदी की गिरावट रही। सेक्टोरल मार्केट में आज बैंकिंग शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया। निफ्टी बैंक, पीएसबी (पब्लिक सेक्टर बैंक) और प्राइवेट बैंक इंडेक्स एक फीसदी से ज्यादा बढ़त के साथ बंद हुए। इसके अलावा, निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा बढ़ा, जबकि निफ्टी वित्तीय सेवाओं और वाहन इंडेक्स 1 फीसदी से अधिक बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी एफएमसीजी आईटी फार्मा, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए। इसमें 2.12 फीसदी तक गिरावट रही।

सेंसेक्स के शेयरों में, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया और भारती एयरटेल के शेयरों में बढ़त रही। वहीं, सन फार्मास्युटिकल, लार्सन एंड टुब्रो, आईटीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपसी, पावर ग्रिड, नेस्ले इंडिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट रही।

एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान के टोक्यो का बाजार गिरावट पर रहा जबकि हांगकांग के बाजार में तेजी रही। सियोल और शंघाई के बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजारों ने शुरुआती सत्र में बढ़त दर्ज की। ब्रिटेन का एफटीएसहई 100 इंडेक्स 0.55फीसदी, जर्मनी का डीएएक्स 0.44 फीसदी और पेरिस का सीएसी 40 0.33 फीसदी की बढ़त पर थे। वहीं अमेरिकी बाजार गत दिवस गिरावट के साथ बंद हुए थे। इससे पहले आज सुबह बढ़त के साथ शेयर बाजार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 370.49 अंकों की बढ़त के साथ 75,736.66 पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी50 106.10 अंकों की बढ़त के साथ 22,935.25 पर कारोबार करता दिखा।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बिना लॉक-इन और एग्जिट चार्ज के निवेश का मौका

- निवेशक कभी भी अपने पैसे निकाल सकते हैं, कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा

नई दिल्ली ।

यूटीआई म्यूचुअल फंड ने अपना नया ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम 'यूटीआई निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स फंड - रेगुलर प्लान' लॉन्च किया है। यह फंड निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग टीआरआई को ट्रैक करता है, जो भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कंपनियों का प्रदर्शन दर्शाता है। इसका उद्देश्य इंडेक्स की परफॉर्मेंस के अनुसार रिटर्न देना है, हालांकि ट्रैकिंग एरर के चलते कुछ अंतर हो सकता है। यह न्यू फंड ऑफर 28 जनवरी को लॉन्च हो गया और 10 फरवरी 2025 को बंद हो जाएगा। इस स्कीम की खासियत यह है कि इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं है और न ही एग्जिट लोड लगेगा। इसका मतलब है कि निवेशक कभी भी अपने पैसे निकाल सकते हैं, और इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। एनएफओ और प्लान्स में मिनिमम इन्वेस्टमेंट 1,000 रुपए है, जिसके बाद 1 रुपए के मल्टीपल्स में इन्वेस्टमेंट किया जा सकता है। फोलियो में दोबारा इन्वेस्टमेंट के लिए भी मिनिमम अमाउंट 1,000 रुपए है और 1 रुपए के मल्टीपल्स में आगे इन्वेस्ट किया जा सकता है। मैक्सिमम इन्वेस्टमेंट की कोई लिमिट नहीं है। यूनिट्स का अलॉटमेंट एप्लिकेबल स्टांप ड्यूटी और ट्रांजैक्शन चार्जेज डिडक्ट करने के बाद ही किया जाएगा। एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के ऑप्शन्स में डेली, वीकली और मंथली एसआईपी के लिए मिनिमम अमाउंट 500 रुपए है, जबकि क्वार्टरली एसआईपी के लिए 1,500 रुपए तय की गई है। दोनों ही केसेस में 1 रुपए के मल्टीपल्स में इन्वेस्टमेंट पॉसिबल है।

भारत में क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में जोरदार बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक की नवीन रिपोर्ट के मुताबिक क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में भारत में जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले पांच सालों में क्रेडिट कार्ड की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा होकर लगभग 10.80 करोड़ हो गई है। डिजिटल भुगतान में भी भारत में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। कैलेंडर वर्ष 2013 में 222 करोड़ डिजिटल लेन-देन होते थे, जो कैलेंडर वर्ष 2024 में 20,787 करोड़ से अधिक हो गए। भारत में डिजिटल भुगतान की मात्रा में 45.9 प्रतिशत व मूल्य में 10.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़े हुए इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ पेमेंट सिस्टम और छूटी कार्ड में रूपये की वृद्धि बना रहता है। आरबीआई ने यूपीआई को दूसरे देशों की फास्ट पेमेंट सिस्टम से जोड़ने की कई कोशिशें की हैं, जिससे सीमा पार रेमिटेंस पेमेंट को बढ़ाया जा सके। भूटान, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, सिंगापुर, श्रीलंका और यूएई में क्यूआर कोड के माध्यम से भारतीय यूपीआई ऐप का इस्तेमाल करके व्यापारियों को भुगतान सक्षम किया गया है। इनोवेशन और रेगुलेटरी सपोर्ट के साथ भारत का पेमेंट सिस्टम दुनिया भर में सबसे आधुनिक में से एक बन गया है। केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर ने कहा कि भुगतान क्षेत्र में इनोवेशन को प्रोत्साहित करना बैंक की नीति है।

देश में धड़ल्ले से क्रेडिट कार्ड से खर्च कर रहे लोग, सितंबर तिमाही में 34 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

मुंबई ।

भारत में क्रेडिट कार्ड के उपयोग में सितंबर तिमाही में 34 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है, जबकि 2023 की समान अवधि में यह आंकड़ा 26 प्रतिशत के पास था। इसकी वजह ग्राहकों द्वारा अपनी खपत की जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा क्रेडिट कार्ड से अधिक खर्च करना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की रिटेल क्रेडिट ग्रोथ में सितंबर 2024 को समाप्त हुई तिमाही में हल्की नरमी देखने को मिली है। इसकी वजह लोन मांग वृद्धि की दर में सामान्य गिरावट और अधिकांश लोन उत्पादों में क्रेडिट की आपूर्ति में कमी होना है।

एक आर्थिक जानकार ने बताया कि क्रेडिट कार्ड पर खर्च में मजबूत वृद्धि उपभोक्ताओं के बीच इसकी बढ़ती स्वीकार्यता को दिखाती है। यह केवल लेनदेन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि क्रेडिट तक आसान पहुंच को भी दिखाती है। यह लेंडर्स के लिए एक मौका हो सकता है कि वे इसतरह के उपभोक्ताओं की पहचान करें जिन्हें अपने उपभोग के लिए अतिरिक्त लोन की आवश्यकता है और उन्हें बेहतर और किफायती समाधान उपलब्ध कराएं। रिपोर्ट के अनुसार, पर्सनल लोन में सालाना आधार पर दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, जो कि सितंबर 2024 में 11 प्रतिशत रही है। यह वृद्धि दर पिछले साल के समान अवधि के आंकड़े 32 प्रतिशत से काफी कम है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि दोपहिया वाहनों और प्रॉपर्टी के बदले लोन में भी मजबूत वृद्धि दिखाई दी है। जानकार ने सुझाव दिया, बाजार की बदलती परिस्थितियों का मतलब है कि लेंडर्स को रिटेल लोन वृद्धि के लिए टारगेटेड एप्रोच अपनाने की आवश्यकता है।

चीनी एआई स्टार्टअप से अमेरिकी शेयर बाजार में हलचल

न्यूयार्क ।

अमेरिकी शेयर बाजार में चीनी एआई स्टार्टअप डीपसीक की डीप लर्निंग तकनीक से बड़ी गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप नेस्डेक कम्पोजिट इंडेक्स 3 फीसदी से अधिक कम हो गया। नास्डैक में एनवीडिया कॉर्प के शेयर में 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे उसका मार्केट कैप 2.90 लाख करोड़ डॉलर तक कम हो गया। तकनीकी कंपनियों में गिरावट के कारण एसएंडपी 500 टेक सेक्टर में 5.6 फीसदी की गिरावट भी दर्ज की गई। इसे लेकर मार्केट में निवेशकों की चिंता बढ़ी है। डीपसीक की क्षमता और कम लागत ने अमेरिकी टेक कंपनियों को चिंतित किया है। इसके अलावा, अमेरिका ने चीन को एडवांस्ड सेमीकंडक्टर तकनीक पर प्रतिबंध लगाया है, जिससे इस दिशा में भी खतरा बना रहा है। हालांकि डीपसीक का उच्च प्रदर्शन और लोकप्रियता के कारण यह अमेरिकी टेक इंडस्ट्री को एक नए चुनौती दे रहा है। निवेशक अब इस स्थिति में सतर्क रहने के सुझाव पर ध्यान दें।

कुंभ को लेकर मोटी कमाई कर रही विमानन कंपनियां, किराऐ में 200 से 700 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी

विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने किराए को लेकर केंद्र से की मांग

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में श्रद्धालुओं को तांता लगा है, अब तक 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लोग कुंभ पहुंचे रहे हैं, बढ़ती भीड़ के साथ ही महाकुंभ पहुंचने के लिए फ्लाइट के किराए में भी जोरदार बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली या मुंबई से प्रयागराज जाने के लिए फ्लाइट टिकट इतना महंगा हो गया है कि इतने में आप सिंगापुर, दुबई या लंदन तक पहुंच जाएंगे। जी हां टिकट का दाम 50-60 हजार रुपये तक पहुंच गया है। महाकुंभ मेला में पवित्र स्नान के दिनों के लिए फ्लाइट टिकट में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिली है। 13 जनवरी को शुरू हुए कुंभ में आने वाली 29 जनवरी को मौनी अमावस्या, 3 को बसंत पंचमी और 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा जैसी तारीखों पर दिल्ली और मुंबई से प्रयागराज जाने वाली फ्लाइट की टिकट की कीमतें आसमान पर पहुंच गई हैं। सामान्य दिनों में दिल्ली से प्रयागराज आने और जाने का किराया 10-12 हजार रुपये के बीच होता है, वहीं मुंबई से प्रयागराज का हवाई किराया भी 15000 रुपये है। लेकिन अमृत स्नान के दिन महाकुंभ के लिए दिल्ली से प्रयागराज आने और जाने का किराया 50,000 रुपये, वहीं मुंबई से प्रयागराज की फ्लाइट टिकट की कीमतें 50-60 हजार रुपये तक पहुंच गई हैं। जी हां, दिल्ली से लंदन का किराया 3 फरवरी के लिए 30 से 37 हजार रुपये के आस-पास है, जबकि दिल्ली से सिंगापुर इस तारीख को फ्लाइट टिकट 24-25 रुपये के आस-पास है। महाकुंभ के लिए फ्लाइट टिकट की कीमतों में ताबड़तोड़ बढ़ोतरी को लेकर अब मोदी सरकार से इन पर लगाम लगाने की आवाज उठी है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने रॉकेट की रफ्तार से बढ़ रहे महाकुंभ के लिए हवाई किरायों पर विराम लगाने की गुहार सरकार से लगा दी है। उन्होंने पोस्ट शेयर कर कहा है कि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा, सुरक्षा और सुविधाओं का राज्य सरकार पूरा ध्यान रख ही रही है, लेकिन कुछ विमानन कंपनियां यात्रियों के बढ़ती संख्या का लाभ लेने के मकसद से हवाई किराए में बेतहाशा बढ़ोतरी कर रही हैं, जो अनुचित और अनैतिक है।

भारत में ईवी की ब्रिकी 30 से 35 प्रतिशत हो सकती, एक रिपोर्ट में खुलासा

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) की हिस्सेदारी कुल बिक्री में वित्त वर्ष 30 तक बढ़कर 30 से 35 प्रतिशत हो सकती है, जो कि 2024 में 7.4 प्रतिशत और 2019 में एक प्रतिशत से भी कम थी। इसकी जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि जीवाश्म ईंधनों से चलने वाले वाहनों की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में भी कुल वाहनों की बिक्री में अधिक रहेगी, लेकिन ईवी इसमें जबरस्त बढ़ोत्तरी करेगी।

रिपोर्ट में बताया गया कि वाहनों की कम संख्या होने के कारण भारत के पास तेजी से वृद्धि का एक अनोखा मौका है। ईवी कई लोगों की पहली कार हो सकती है। यह कुछ ऐसा ही होगा, जैसे भारत में 4जी के लिए 3जी को छोड़ा। इस वजह से कुल बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 30 तक 30 से 35 प्रतिशत होगी। बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक ड्राइव यूनिट, किसी भी ईवी का मुख्य आधार इनकी हिस्सेदारी कुल लागत में करीब 50 प्रतिशत की होती है। ओईएम अपनी बैटरी की 75 प्रतिशत जरूरतों को आउटसोर्स करते हैं, लेकिन बैकवर्ड इंटीग्रेशन के कारण वित्त वर्ष 30 तक यह घटक 50 प्रतिशत होगी।

वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट की ईवी बैटरी क्षमता प्राप्त करने के लिए करीब 500-600 अरब रुपये का पूंजीगत व्यय होने का अनुमान है।

इस दौरान चार्जिंग इंफ्रास्ट्रचर को बढ़ाने के लिए 200 अरब रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत का ईवी इंसेंटिव काफी अच्छा है। पीएम ई-ड्राइव विशिष्ट वाहन वर्गों को बढ़ावा देता है और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार को भी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंडर-19 विश्व कप : तृषा की शतकीय पारी, भारत ने स्कॉटलैंड को 150 रन से रौंदा

तृषा अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनी

कुआलालंपुर (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज तृषा गोंगाडी ने अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का पहला शतक जड़कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया जिससे भारत ने मंगलवार को यहां स्कॉटलैंड को 150 रन से करारी शिकस्त दी। सलामी बल्लेबाज तृषा ने 59 गेंद की नाबाद पारी में 13 चौके और चार छक्के की मदद से 110 रन की पारी खेली। उन्होंने पहले विकेट के लिए कमालिनि जी (42 गेंद में 51 रन) के साथ 147 रन की साझेदारी करने के बाद सानिका चालके (20 गेंद में नाबाद 29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 61 रन की अटूट साझेदारी की।

भारत ने ग्रुप एक के इस मैच में 20 ओवर में एक विकेट पर 208 रन बनाने के बाद स्कॉटलैंड को 14 ओवर में 58 रन पर आउट कर दिया। स्कॉटलैंड के लिए सलामी बल्लेबाज पिप्पा केली (12) और एम्मा वालसिंघम (12) शीर्ष स्कोरर रहीं। बायें हाथ की स्पिनर आयुषी शुक्ला (आठ रन पर चार विकेट) की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने स्कॉटलैंड को मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया। वैष्णवी शर्मा ने पांच रन पर तीन विकेट लिये जबकि बल्ले से कमाल करने वाली तृषा ने छह रन देकर तीन बल्लेबाजों को चलता किया।

ग्रुप के अन्य मैच में बांग्लादेश ने अपने अभियान का अंत सुपर सिक्स चरण में वेस्टइंडीज पर 10 विकेट की जीत के साथ किया। वेस्टइंडीज को छह विकेट पर 54 रन पर रोकने के बाद बांग्लादेश ने जुएरिया फिरदौस के नाबाद 25 रन की मदद से 13 ओवर में जीत दर्ज की। इस जीत से टीम ग्रुप एक में तीसरे स्थान पर रही। ग्रुप दो में बारिश के कारण दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका का मैच शुरू हुए बिना रद्द हो गया। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। इस मैच से एक अंक मिलने के बाद अमेरिका ग्रुप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

दिनेश कार्तिक ने धोनी को पछाड़ा, सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बने

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक जो वर्तमान में SA20 2025 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं, ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। 39 वर्षीय कार्तिक 27 जनवरी को डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ 15 गेंदों पर 21 रन बनाकर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन गए।

कार्तिक ने अब टी20 में 361 पारियों में 7,451 रन बनाए हैं और इस तरह उन्होंने भारत के दिग्गज विकेटकीपर एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने अब तक 342 पारियों में 7,432 रन बनाए हैं। धोनी के पास आगामी आईपीएल सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए इस रिकॉर्ड को फिर से अपने नाम करने का मौका होगा।

कार्तिक अब टी20 में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपरों में सबसे आगे हैं, लेकिन आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपरों का रिकॉर्ड अभी भी धोनी के नाम है। लीग में धोनी के नाम 5,125 रन हैं और दूसरे नंबर पर कार्तिक हैं जिनके नाम 4,463 रन हैं।

एसए20 में कार्तिक की टीम पार्ल रॉयल्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक अपने 8 में से 7 मैच जीते हैं और फिलहाल 28 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि पार्ल रॉयल्स हाल ही में फ्रैंचाइजी क्रिकेट में पहली ऐसी टीम भी बनी है जिसने अपने सभी ओवर केवल स्पिनरों से ही कराए।

आजकल घरेलू क्रिकेट से लय हासिल कर रहे शुभमन

बेंगलुरु (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल पिछले कुछ समय से अपनी नाम के अनुरुप बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे हैं। इसी को लेकर शुभमन का कहना है कि वह कई बार बेहतर प्रदर्शन करने को लेकर जरुरत से ज्यादा दबाव ले लेते हैं। शुभमन आजकर रणजी ट्रॉफी में अपनी बल्लेबाजी को निखारने में लगे हैं। शुभमन ने कर्नाटक के खिलाफ शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर स्थिति में भी पहुंचाया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उनका प्रदर्शन खराब रहा था। वह 5 पारियों में 18.60 के खराब औसत से 93 रन ही बना पाए थे। अपनी फार्म को लेकर शुभमन ने कहा कि मुझे लगता है कि जिस तरह से मैंने खेला, रणजी की पारी मेरे लिए बहुत संतोषजनक थी। मुझे लगता है कि हम किसी भी स्तर पर कोई भी पारी खेलें, रन बनाने, फॉर्म में वापस आने और वैसा महसूस करने में सक्षम होना बहुत महत्वपूर्ण है। जब आप उस क्षेत्र में रहते हुए अच्छा खेल रहे हों, तो उसमें बने रहना महत्वपूर्ण है वह क्षेत्र जितना संभव हो सके उतना लंबा था और जब मैं वहां बल्लेबाजी कर रहा था तो मैं यही करने की कोशिश कर रहा था।

हालांकि वह अभी भी टेस्ट क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, उनका कहना है कि बड़ा स्कोर बनाने का दबाव बहुत अधिक हो जाता है और इससे उनका ध्यान और एकाग्रता खो जाती है। उन्होंने अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की क्षमता पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी, मुझे लगता है कि लाल गेंद से मैं जो मैच खेलता हूं उनमें मुझे बहुत अच्छे 25-30 रन मिलते हैं। उन्हें बड़े स्कोर में बदलने के लिए कई बार मैं अपने ऊपर बहुत अधिक दबाव ले लेता हूं। मैं इस तरह से अपना खेल खेलते हुए बड़ा नहीं हुआ हूं। शुभमन का 32 टेस्ट और 59 पारियों के बाद टेस्ट औसत सिर्फ 35.05 है। उन्होंने अपने करियर में 5 शतक, 7 अर्धशतक और 128 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 1,893 रन बनाए हैं। वहीं अपनी 59 में से 34 टेस्ट पारियों में वह 20 से ज्यादा रन नहीं बना पाए।

जसप्रीत बुमराह ने जीता 'सर गारफील्ड सोबर्स' अवॉर्ड, आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 बनाकर रचा नया कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सर गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड जीतकर नया कीर्तिमान रचा है। उन्होंने आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 बनाकर नया कार्तिमान रच दिया। वह प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड जीतने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं। बुमराह ने पिछले साल कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 2024 में सबसे ज्यादा 86 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 71 विकेट झटके। उन्होंने 2024 का आईसीसी पुरुष टेस्ट क्रिकेट ऑप द ईयर पुरस्कार भी अपने नाम किया है। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड, इंग्लैंड के दिग्गज जो रूट और युवा क्रिकेटर हैरी ब्रूक को पछाड़ा है। ये ट्रॉफी एक साल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर को दी जाती है। पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड का नाम दुनिया के महान क्रिकेटर्स में से एक गारफील्ड सोबर्स के नाम पर रखा गया है। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर को को गैरी सबोर्स के नाम से भी जाना जाता है। जसप्रीत बुमराह से पहले भारत के लिए राहुल द्रविड़ के अलावा सचिन तेंदुलकर, रवि अश्विन और विराट कोहली ने प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार जीता है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को विराट कोहली ने 2 बार जीता। लेकिन ये पहली बार हुआ है जब किसी भारतीय तेज गेंदबाज ने सर गारफील्ड सोबर्स पुर्सकार जीता हो। बता दें कि, सर गारफील्ड पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय राहुल द्रविड़ हैं। राहुल द्रविड़ को सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार 2024 से नवाजा गया था। इसके बाद सचिन तेंदुलकर को सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार 2010 से सम्मानित किया गया। वहीं रवि अश्विन ने साल 2026 में सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार अपने नाम किया। जबकि विराट कोहली ने लगातार 2 साल 2017 और 2018 में ये अवॉर्ड अपने नाम किया।

रोहित , यशस्वी ओर श्रेयस अब रणजी मुकाबले नहीं खेलेंगे

मुंबई। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर रणजी ट्रॉफी के बाकि मैचों में नहीं खेलेंगे। इन तीनो को आगामी चैम्पियंस ट्रॉफी की तैयारियों को देखते हुए रणजी ट्रॉफी से रिलीज कर दिया गया है। रोहित एकदिवसीय और चैम्पियंस ट्रॉफी में उतरने वाली भारतीय टीम के कप्तान हैं। वहीं यशस्वी और अय्यर भी इस टीम का हिस्सा हैं। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि अब ये तीनो ही भारतीय टीम से जुड़ेंगे। रोहित पिछले काफी समय से लय में नहीं हैं। मुम्बई की ओर से खेले एकमात्र रणजी मैच में भी वह उन बनाने में असफल रहे। न्यूजीलैंड के खिलाफ धरेलू सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी उनका बल्ला खामोश रहा था। इसेक बाद से ही वह आलोचन शिकार हुए थे। ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों में वह 31 रन ही बना पाए। रोहित को कुछ दिग्गज खिलाड़ियों ने टीम से बाहर किये जाने को कहा था। रोहित ऑस्ट्रेलिया में अंतिम टेस्ट से स्वयं ही बाहर हो गये थे और उनके इस फैसले की सभी ने तारीफ की थी।

नेमार के साथ अनुबंध आपसी सहमति से समाप्त कर दिया गया : अल-हिलाल क्लब

रियो दि जिनेरियो । सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल ने कहा है कि उसकी स्ट्राइकर नेमार के साथ आपसी सहमति से अनुबंध समाप्त करने के लिए सहमति बनी है। किसी भी पक्ष ने अनुबंध समाप्त करने के विवरण की पुष्टि नहीं की। कभी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले ब्राजील के 32 वर्षीय नेमार ने क्लब के लिए केवल सात मैच खेले जिसमें उन्होंने केवल एक गोल किया और दो गोल करने में मदद की। एसीएल (पैर की चोट) चोट के कारण अक्टूबर 2023 से बाहर रहने के बावजूद बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन टीम के पूर्व खिलाड़ी नेमार को पिछले सत्र में सऊदी लीग जीतने वाली टीम में शामिल किया गया था। इस साल के फीफा क्लब विश्व कप में अल-हिलाल के हिस्सा लेने के बाद नेमार के साथ उनका करार समाप्त होने वाला था। क्लब विश्व कप 15 जून से 13 जुलाई के बीच अमेरिका में खेला जाएगा। क्लब ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया चैनलों पर प्रकाशित एक बयान में कहा कि वह नेमार के प्रति आभार व्यक्त करता है और उनकी प्रशंसा करता है। स्ट्राइकर नेमार अगस्त 2023 में पेरिस सेंट जर्मेन से सऊदी क्लब में नौ करोड़ यूरो (नौ करोड़ 40 लाख डॉलर) में शामिल हुए। यह उन कई करार मेंसे एक था जिसने अरब देश को दुनिया के नए बड़े फुटबॉल बाजारों में से एक बना दिया। लेकिन नेमार को अपने करियर की सबसे गंभीर एसीएल चोट लग गई जब वह अल-हिलाल में शामिल होने के कुछ ही महीनों बाद ब्राज़ील के लिए खेल रहे थे।

कोंस्टास नहीं हेड करेंगे श्रीलंका के खिलाफ पारी की शुरुआत : स्मिथ

गॉल । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे स्टीव स्मिथ ने कहा है कि बुधवार से मेजबान श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच में सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के साथ ट्रेविस हेड पारी की शुरुआत करेंगे। वहीं पहले माना जा रहा था कि युवा सैम कोंस्टास ख्वाजा के जोड़ीदार के तौर पर उतरेंगे। स्मिथ ने कहा कि पिच की लगातार बदलती प्रकृति के कारण वह अभी तक अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों को लेकर फैसला नहीं कर पाये हैं। कोंस्टास ने बॉडर गावस्कर सीरीज में अपने पहले दो टेस्ट मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे के अंतिम दो टेस्ट मैचों में चोटिल सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की जगह उतरते हुए हेड ने जिस प्रकार को प्रदर्शन किया था उससे वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर स्थापित हो गये थे। स्मिथ ने अंतिम प्री-टेस्ट प्रशिक्षण सत्र से पहले कहा, ट्रैविस शीर्ष पर जाएगा, मुझे लगता है कि इसके अलावा यह काफी स्थिर रहेगा। मुझे नहीं लगता कि टीम में बहुत ज़्यादा बदलाव होगा। चयनकर्ताओं को भारत में जो कुछ देखने को मिला, वह उन्हें पसंद आया, जब भी हेड को अवसर मिला। वह नई गेंद के पीछे गया, तेज़ी से रन बनाए और गेंदबाजों पर दबाव बनाया, इसलिए मुझे लगता है कि यहां भी यही सोच रहेगी है। अभी ये तय नहीं है कि कोंस्टास मध्य-क्रम बल्लेबाज के रूप में उतरेंगे। मध्य-क्रम की खाली जगह के लिए उनका मुकाबला नाथन मैकस्वीनी और जोश इंगलिस से हैं।

पार्ल रॉयल्स की एसएक20 में रिकॉर्ड जीत, डरबन्स सुपर जाइंट्स बाहर

पार्ल (एजेंसी)। पार्ल रॉयल्स ने एसएक20 लीग में डरबन्स सुपर जाइंट्स (डीएसजी) को छह विकेट से हराकर घरेलू मैदान पर सभी पांच मैच जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया। यह पहली बार है जब प्रतियोगिता के लीग चरण में कोई टीम घरेलू मैदान पर अजेय रही है। डीएसजी की टीम प्रतियोगिता से बाहर हो गई है क्योंकि पिछले सत्र की उप विजेता टीम अब प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकती।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे सुपर जाइंट्स ने 33 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 55) के नाबाद अर्धशतक और केन विलियमसन (45) के साथ उनकी 53 रन की साझेदारी की बदौलत टीम सात विकेट पर 143 रन बनाने में सफल रही। रॉयल्स की ओर से ब्योर्न फोरटुइन ने 20 जबकि क्वेन मफाका ने 22 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए।

रॉयल्स ने इसके जवाब में रूबिन हरमन की 59 रन की पारी और हुआन ड्रे-प्रिटोरियस (43) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 91 रन की साझेदारी से 19.5 ओवर में चार विकेट पर 147 रन बनाकर जीत दर्ज की। इस जीत से रॉयल्स की टीम आठ मैच में सात जीत से 28 अंक के साथ अंक तालिका के शीर्ष पर बरकरार है। डीएसजी की टीम नौ मैच में सिर्फ एक जीत से आठ अंक के साथ अंतिम पायदान पर है।

आईपीएल में गलत टीम से खेले डिविलियर्स : मांजरेकर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने विवादित बयानों के कारण चर्चओं में बने रहते हैं। अब उन्होंने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने आईपीएल में गलत टीम से खेला था। डिविलियर्स ने शुरुआत में दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए आईपीएल में तीन सत्र खेले थे। वहीं 2011 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हुए और 2021 में अपने करियर को अलविदा कहने तक उसकी ओर से ही खेलते रहे। डिविलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 5162 रन बनाए लेकिन कभी टीम को आईपीएल खिताब नहीं जिता पाये। उन्होंने 2011 और 2016 में आरसीबी के साथ आईपीएल फाइनल खेला पर दोनों बार टीम हार गयी। 14 साल के अपने आईपीएल करियर में खिताब न जीतने के बावजूद डिविलियर्स आईपीएल में खेलने वाले सबसे बड़े क्रिकेटरों में से एक हैं। मांजरेकर के अनुसार डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया। मांजरकेर का कहना है कि डिविलियर्स को टॉप आर्डर में आना चाहिए था और उन्होंने यह भी कहा कि एबी ने गलत फेंचाइजी के लिए खेला।

श्रीलंका के खिलाफ इस प्रकार के बदलावों के साथ उतरेंगे : हेड

कोलंबो (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के के उप-कप्तान ट्रैविस हेड ने कहा है इस माह के अंत में श्रीलंका दौरे में उनकी टीम इस प्रकार के बदलावों के साथ उतरेगी। दोनो ही टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज 29 जनवरी से गॉल शुरु होगी। इस सिरीज से पैट कमिंस के बाहर होने के कारण अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ टीम की कप्तानी करेंगे। हेड ने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं इस समय किस क्रम पर बल्लेबाजी करने जा रहा हूं। हम देखेंगे कि अगले कुछ दिनों में विकेट कैसा रहता है। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि क्या बदलाव आते हैं। मुझे लगता है कि हमारी टीम में शामिल खिलाड़ी काफी अनुभवी है और इसमें कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं जो विभिन्न भूमिकाओं और विभिन्न हालातों में ढ़ल सकते हैं, हम अलग-अलग लोगों को शामिल कर सकते हैं। ये सवाल उठ रहा है कि ऑस्ट्रेलिया को पारी की शुरुआत के लिए इस सीरीज में उस्मान ख्वाजा के साथ युवा सैम कोंस्टास को भेजना ठीक रहेगा या नहीं इसी को लेकर हेड ने कहा, हम बस इतना करने का प्रयास कर रहे हैं कि टेस्ट मैच जीतने के लिए क्या लचीलापन हो सकता है और उसी पर ध्यान देंग। इस समय बहुत से लोग जानना है रहे है कि मैं कहां बल्लेबाजी कर सकता हूं, पर ये हालातों पर आधारित रहेगा। ये सभी खिलाड़ियों के साथ होगा। मुझे लगता है कि यह टीम काफी अनुभवी है और एक बेहतरीन स्थिति में है, जहां खिलाड़ी जरूरत पड़ने पर हर जगह पर उतरने के लिए तैयार रहेंगे। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने जब 2022 में श्रीलंका का दौरा किया था तब हेड ने तीन पारियों में बल्ले से सिर्फ 7.66 का औसत बनाया था और उन्हें नागपुर में भारत के खिलाफ शुरुआती टेस्ट से बाहर रखा गया था। लेकिन वह भारत में अगले तीन टेस्ट में 47 का औसत बनाने में सफल रहे जिसमें इंदौर में मैच जीतने वाली पारी भी शामिल है। अब श्रीलंका लौटने पर हेड ने कहा कि 2022 की तुलना में अब वह एक बदले हुए बल्लेबाज हैं। हेड ने कहा, मैं पिछली बार यहां और पाकिस्तान में थोड़े बदलाव से गुजरा था। मैंने थोड़ा और पारंपरिक खेलने का प्रयास किया। वह भारतीय सीरीज ऐसी थी जो एक या दूसरे तरीके से जा सकती थी। मैं अच्छा नहीं खेलता, और शायद मैं फिर कभी उपमहाद्वीप का दौरा न देखूं। या मैं वहां जाकर वही करूं जो मैं पिछले कुछ सालों से कर रहा हूं और थोड़ा अधिक आराम से खेलूं और इस बारे में चिंता न करूं कि परिणाम क्या हो सकता है।

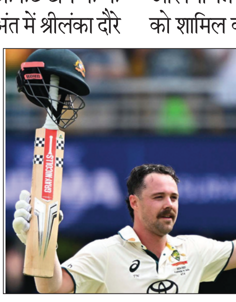

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरु होने की घोषणा की

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की घोषणा के बाद ही 19 फरवरी से होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरु हो गयी है। प्रशंसकों को टिकटों के लिए आईसीसी की अधिकारिक वेबसाइट पर पहले पंजीकरण करना होगा। आईसीसी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अनुराग दहिया ने कहा, 'हम आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए आधिकारिक टिकटों की बिक्री की घोषणा शुरु करने को लेकर उत्याहित हैं। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सबसे कम कीमत का टिकट 1000 पाकिस्तानी रुपए (लगभग 310 भारतीय रुपये) रखा है जबकि 'प्रीमियम सीटिंग टिकट की सबसे कम कीमत कीमत 1500 पाकिस्तान रुपए (लगभग 465 भारतीय रुपये) रहेगी। 9 मार्च को आयोजित होने वाले फाइनल का टिकट दुबई में खेले जाने वाले पहले सेमीफाइनल के समापन के बाद खरीदने के लिए उपलब्ध होगा। चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के आधार पर कर रहा है। इसमें भारतीय टीम के मुकाबले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होंगे। पाकिस्तान चरण के लिए टिकटों की बिक्री आज शुरु हुई पर अभी तक मेजबान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) स्टेडियमों का नवीनीकरण कार्य तक पूरा नहीं करा पाया है। पाकिस्तान को 30 जनवरी को स्टेडियमों को आईसीसी को सौपना है पर कराची, लाहौर और रावलपिंडी के ये आयोजन स्थल अब तक पूरी तरह से तैयार नहीं हुए हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के मैच दुबई में खेले जाएंगे और उनके लिए टिकटों की ब्रिकी अभी शुरु नहीं हुई है। वहीं पीसीबी ने इस खबरों को गलत बताया है जिसमें कहा गया है कि रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम और कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में निर्माण कार्य में देरी के कारण इस स्थलों पर होने वाले मैच देश से बाहर कराये जाएंगे।

आईसीसी पर भड़के चैपल , मजबूत बोर्ड अपने अनुसार कार्यक्रम तैयार करा रहे

-दो-स्तरीय प्रणाली अब तक लागू हो जानी चाहिये थी

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कामकाज के तरीके की कड़ी आलोचना की है। चैपल ने कहा कि आईसीसी क्रिकेट को बढ़ावा देने की जगह पर एक एक 'इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की तरह काम कर रही है। चैपल के अनुसार आईसीसी की इसी कमजोरी का लाभ उठारक आर्थिक रूप से मजबूत बोर्ड अपने अनुसार कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं पर इससे टेस्ट क्रिकेट को नुकसान हो रहा है। चैपल का यह भी मानना है कि टेस्ट क्रिकेट के लिए अब तक दो-स्तरीय प्रणाली लागू कर देंनी चाहिए थी पर ऐसा नहीं हुआ है। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि खेल के पारंपरिक प्रारूप को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए अन्य अहम कदम भी उठाए जाने चाहिए थे पर आईसीसी ने अब तक ऐसा कुछ नहीं किया है।

चैपल ने कहा कि द्विस्तरीय टेस्ट प्रणाली को लेकर वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाजी चैंपियन माइकल होल्डिंग ने कहा था, अपनी सभी गलतियों के बावजूद फीफा कम से कम फुटबॉल का संचालन तो ठीक से करता है पर आईसीसी ऐसा नहीं कर रहा। उन्होंने कहा कि इससे खेल में मुशिलें आ रही हैं। आईसीसी क्रिकेट का सही से संचालन नहीं करती है और जब तक उसकी सोच में बदलाव नहीं आता है तब तक आर्थिक रूप से संपन्न देश अपने स्वार्थ के लिए उसके जरिये कार्यक्रम तैयार करते रहेंगे।

चैपल ने हालांकि माना की भारत से क्रिकेट की आय में लगभग 70 प्रतिशत का योगदान होता है और आईसीसी में उसकी मजबूत उपस्थिति इस योगदान के कारण ही है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट को दो भागों में विभाजित करने की जरुरत है। जिससे भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों को एक दूसरे के खिलाफ अधिक मैच खेलने के अवसर मिलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन कप्तानों में से एक चैपल का मानना है कि कुछ मानदंडों के साथ टीमों के लिए शीर्ष श्रेणी में आने और निचली श्रेणी में फिसलन की प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली काफी पहले ही लागू हो जानी चाहिए थी क्योंकि कुछ टीमें ही पांच दिवसीय प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। चैपल ने इसके साथ ही कहा कि अफगानिस्तान और आयरलैंड जैसे देशों को टेस्ट दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए था लेकिन स्वार्थवश यह कदम उठाया गया।

बेहद अलग है जूलॉजी में कॅरियर

जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। ऐसे बहुत से लोग है, जो प्रकृति में मौजूद विभिन्न तरह के प्राणियों के बारे में गहराई से जानने की इच्छा रखते हैं। ऐसे लोग जूलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। जूलॉजी, जीव विज्ञान की एक शाखा है, जो मछली, सरीसृप, पक्षियों और स्तनधारियों सहित जानवरों का वैज्ञानिक अध्ययन है। यह संरचना, शरीर रचना, विशेषताओं, व्यवहार, वितरण, पोषण की विधि, शरीर विज्ञान, आनुवंशिकी और पशु प्रजातियों के विकास को शामिल करता है। जूलॉजी का अध्ययन करते समय आप समुद्री जीवों, चिड़ियाघर के जानवरों और जंगली और यहां तक कि घरेलू पालतू जानवरों सहित जानवरों के जीव विज्ञान और आनुवंशिकी का अध्ययन करते हैं। ऐसे में अगर आप भी इनके बारे में विस्तार से जानना चाहते हैं तो बतौर जूलॉजिस्ट बनकर ऐसा कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में

क्या होता है काम

एक जूलॉजिस्ट का मुख्य काम जानवरों के व्यवहार, विशिष्ट विशेषताओं और उनमें विकासवादी प्रवृत्तियों का अध्ययन करते हैं। जूलॉजिस्ट को पशु जीवविज्ञानी या वैज्ञानिक भी कहा जाता है। यह एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंध रखने वाले जूलॉजिस्ट को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मसलन, पक्षियों के अध्ययन में विशेषज्ञता वाले जूलॉजिस्ट्स को ऑर्निथोलॉजिस्ट कहा जाता है, वहीं मछली का अध्ययन करने वाले को आइकथोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है। ठीक इसी तरह, जो जूलॉजिस्ट्स जो उभयचरों और सरीसृपों का अध्ययन करते हैं उन्हें हेरपेटोलॉजिस्ट नाम से जाना जाता है और स्तनधारियों से जुड़े लोगों को मैमलॉजिस्ट कहा जाता है। उनके कार्यक्षेत्र में जानवरों, पक्षियों, स्तनधारियों, कीड़े, मछलियों और कीड़े के पहलुओं पर रिपोर्ट तैयार करना और उन्हें विभिन्न स्थानों पर प्रबंधित करना है। जूलॉजिस्ट डीएनए पहचान सहित उच्च तकनीक के सभी प्रकार के क्षेत्र में और प्रयोगशाला में काम करते हैं, और वे जानकारी के डेटाबैंक विकसित करते हैं।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। हालांकि आप इस क्षेत्र में बैचलर की डिग्री के बाद मास्टर डिग्री या डॉक्टरेट की डिग्री भी हासिल कर सकते हैं।

व्यक्तिगत कौशल

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि जूलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का बेहद साहसी होना जरूरी है और उनके जीवन में डर के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समर्पित, स्वतंत्र और मेहनती भी होना चाहिए। उन्हें विभिन्न लोगों के साथ काम करना आना चाहिए। चूंकि वैज्ञानिक अक्सर शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं, इसलिए उनके पास प्रभावी लिखित और मौखिक संचार क्षमताएं होनी चाहिए। वह अपना अधिकांश समय जानवरों के साथ बिताते हैं, इसलिए उन्हें जोखिम भरी परिस्थितियों में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्हें काटने, खरोंचने आदि जैसे हमलों के लिए हरदम मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए और चोटों को सहने की क्षमता होनी चाहिए। जूलॉजी के क्षेत्र में आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, जो वास्तव में आपके लिए थकाऊ हो सकता है।

संभावनाएं

बतौर जूलॉजिस्ट आप चिड़ियाघर, वाइल्डलाइफ सर्विस, बोटेनिकल गार्डन, कंसर्वेशन आर्गेनाइजेशन, नेशनल पार्क, यूनिवर्सिंटी व लेबोरेटरीज आदि में काम कर सकते हैं। जहां चिड़ियाघर व म्यूजियम में वे बतौर एजुकेटर या क्यूरेटर अपना कॅरियर आगे बढ़ा सकते हैं। वहीं आप स्कूल या कॉलेज में टीचर्स या रिचर्सर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं अपना शोध पूरा कर लेने के बाद आप एक स्वतंत्र शोधकर्ता के रूप में भी आगे कार्य कर सकते हैं। इसी तरह एनिमल रिहैबिलिटेटर्स या बतौर कंसर्वेशनिस्ट भी आप अपना उज्जवल भविष्य देख सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपका वेतन शिक्षा, अनुभव, कार्य की प्रकृति व स्पेशलाइजेशन के आधार पर निर्भर करता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी आमदनी हो सकती है। शुरूआती दौर में आप 10000 से 15000 रूपए महीना आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ समय के पश्चात आपकी आमदनी 25000 रूपए प्रतिमाह या इससे अधिक भी हो सकती है। अगर कुछ वर्षों के अनुभव के पश्चात आप विदेश में काम करते हैं तो आप यकीनन लाखों में कमा सकते हैं।

लेखन के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें लिखना बहुत पसंद होता है। लेखन की कई विधाएं हैं, इन्हीं में से एक है क्रिएटिव राइटिंग। लेखन के क्षेत्र की यह विधा बेहद कलात्मक है। इस क्षेत्र से जुड़े लोग वास्तव में रचनात्मक लेखक हैं, जिन्हें लोग उपन्यासकार, कवि, गीतकार आदि विभिन्न नामों से जानते हैं। क्रिएटिव राइटर्स के पास लेखन में जादुई शक्ति होती है और अपने काम के माध्यम से, वे पाठकों को प्रभावित कर सकते हैं और उन्हें परेशान, घृणित, मंत्रमुग्ध या खुश कर सकते हैं। आमतौर पर लोग इस काम को आसान मानते हैं, जबकि लेखन बनाना एक लंबी प्रक्रिया है जिसमें बहुत अधिक शोध और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। अगर आप भी लेखन में अपनी रूचि रखते हैं तो इस क्षेत्र में अपने कदम बढ़ा सकते हैं

क्या है क्रिएटिव राइटिंग

रचनात्मक लेखन वह लेखन है जिसमें एक लेखक का उद्देश्य गद्य और काव्य छंदों के माध्यम से अपनी भावनाओं, भावनाओं, कल्पनाशील विचारों और विचारों को व्यक्त करना है। विभिन्न तरह के लेखन जैसे उपन्यास, कविता, कहानी, नाटक, आत्मकथा, पटकथा लेखन, कॉपी लेखन आदि को रचनात्मक लेखन कहा जाता है। रचनात्मक लेखन एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें प्राकृतिक दुनिया के चित्र बनाने के लिए बहुत अधिक कल्पना, अवलोकन और एक जन्मजात क्षमता की आवश्यकता होती है। विभिन्न विषयों और शैलियों पर लेख पढ़कर एक अच्छा लेखक बन सकता हैय हर तरह से जीवन का अनुभव करना और बहुत सारे मुहावरों, लहजों और स्थानीय भावों को सीखना और सुनना। वैसे तो क्रिएटिव राइटिंग कुछ लोगों को जन्मजात उपहार में मिलती हैं, लेकिन रचनात्मक लेखन में कोर्स करके कोई भी अपने लेखन कौशल में सुधार कर सकता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार

रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है।

में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है। वैसे भारत में कुछ संस्थान रचनात्मक लेखन में शार्ट टर्म कोर्स कराते हैं और इन पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकंडरी या 10+2 होनी चाहिए। इन पाठ्यक्रमों की न्यूनतम अवधि एक वर्ष है।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक क्रिएटिव राइटर को कल्पनाओं के आकाश में विचरने के साथ-साथ उसे कागज पर भी बेहतरीन तरीके से उतारने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर पढ़ने व नई चीजों को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए, ताकि वह अपने शब्दकोश को अधिक मजबूत बना सके। चूंकि इन दिनों लेखन के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जाने लगता है। इसलिए उसे कंप्यूटर का ज्ञान होना व इंटरनेट में आवश्यक सामग्री खोजने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर ऑर्ब्जवेशन स्किल्स व कम्युनिकेशन स्किल्स भी मजबूत होने चाहिए। क्योंकि जब एक लेखक अपने या दूसरों के अनुभवों के पन्ने पर उतारता है तो उसका एक अलग ही प्रभाव देखने को मिलता है। इसके अलावा ऑब्जर्वेशन के जरिए उसके लेखन में भी विविधता को आसानी से देखा जा सकता है।

संभावनाएं

क्रिएटिव राइटर्स के पास अवसरों की कोई कमी नहीं है। कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो आप अपनी रूचि के अनुसार उपन्यास से लेकर संस्मरण, कविता, गीत, साइंस फिक्शन, रोमांस, स्क्रिप्ट, नाटक, यात्रा-वृत्तांत आदि लिख सकते हैं। इसके अलावा आप पत्र-पत्रिकाओं और समाचार पत्रों आदि के लिए रिपोर्ट, साक्षात्कार, सुविधाएँ, आलोचना और समीक्षाएं लिख सकता है। इसके अलावा, रचनात्मक लेखक वेब साइटों के लिए भी कंटेंट लिख सकते हैं या प्रिंट मीडिया के लिए लेख बना सकते हैं। आप किसी एक संस्थान से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर अलग-अलग संस्थानों के लिए फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व कौशल पर निर्भर करती हैं। शुरूआती दौर में एक क्रिएटिव राइटर आठ से दस हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। इसके बाद अनुभव बढ़ने के बाद आपका काम व आमदनी दोनों बढ़ती चली जाती है।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिंटी, अहमदाबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मीडिया स्टडीज, अहमदाबाद
- कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिंटी

एंट्री इंटरव्यू की तरह एग्जिट इंटरव्यू भी मायने रखता है

एंट्री इंटरव्यू की तरह ही किसी कंपनी का एग्जिट इंटरव्यू भी उतना ही मायने रखता है। नौकरी छोड़ने से पहले एग्जिट इंटरव्यू भले ही मात्र एचआर संबंधी औपचारिकता लगे लेकिन इसका मतलब ये नहीं हैं कि इसके लिए आप कोई तैयारी न करें। इंटरव्यू में अपने जवाबों को तैयार रखकर आप अपने लिए भविष्य में उस कंपनी के दरवाजे हमेशा खुले रख सकेंगे। आइए जानते हैं एग्जिट इंटरव्यू के लिए कुछ जरूरी टिप्सः

सकारात्मक चीजों पर फोकस

एग्जिट इंटरव्यू के संदर्भ को समझना महत्वपूर्ण है और बिना किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए सच बोलना जरूरी है। करियर के इस मोड़ पर आपको सकारात्मक प्रभाव बनाने के लिए सहयोगियों और प्रबंधकों की तारीफ करना चाहिए।

वापसी की इच्छा जताएं

अगर आप अच्छे टर्म के साथ अपने कार्यकाल को ऑफिस में पूरा कर रहे हैं तो इसके लिए आपको वापसी के सारे रास्ते खुल रखने की कोशिश करना चाहिए। हमेशा जुड़े रहने की इच्छा जताएं और वहां के एल्यूमिनी नेटवर्क का हिस्सा बनने को कहें।

आभार व्यक्त करें

ऑर्गनाइजेशन में अपने कार्यकाल को सहज बनाने में मदद करने वालों के प्रति आभार जताना न भूलें। यह केवल मैनेजमेंट को आपके बारे में पॉजिटिवी फील देगा।

माइक्रो पर्सपेक्टिव

अगर आपको अपने किसी साथी या वरिष्ठ प्रबंधक से संबंधित कोई बात रखने की भी है तो उसे सही तरीके से रखें। कुछ अगर कहना आवश्यक भी हो तो उसे माइक्रो पर्सपेक्टिव रखें।

कंस्ट्रक्टिव फीडबैक

आपके कार्यकाल के दौरान ऐसा समय भी रहा होगा जब वहां कलह और परेशानी का सामना करना पड़ा होगा। सुधारात्मक उपायों के साथ ईमानदार प्रतिक्रिया दें।

वकालत करने के लिए जानें बेसिक बातें

अदालतों में हम देखते हैं कि कानून के अनुसार ही एक पक्ष दूसरे पक्ष को चुनौती देता है और अदालतों में कानून के जानकार इसके भिन्न पक्षों की व्याख्या भी करते हैं। इन्हीं कानून के जानकारों को हम वकील कहते हैं और वकील बनने के लिए आपको लॉ की पढ़ाई करनी पड़ती है। इस पढ़ाई का का प्रथम चरण होता है एलएलबी का, यानी बैचलर आफ लॉ! वैसे कानून की पढ़ाई सिर्फ एक प्रोफेशन भर ही नहीं है, बल्कि यह उन तमाम जरूरतमंद लोगों को सिस्टम के साथ जोड़ने में एक अति महत्वपूर्ण कड़ी है, जो तमाम कारणों से अन्याय के शिकार होते हैं। जिन्हें पता तक नहीं होता है कि उन्हें कानून की जानकारी ना होने के कारण असीमित नुकसान उठाना पड़ा है। सच कहा जाए तो हमारे देश में ला प्रोफेशनल्स की जवाबदेही, किसी भी दूसरे प्रोफेशन से अधिक हो जाती है, क्योंकि यह कानून के शासन पर भरोसा पैदा करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।
सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके बाद आपको सीएलएटी एग्जामिनेशन देना पड़ता है, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट कहा जाता है और यह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा ऑर्गेनाइज किया जाता है। एग्जाम में आपसे लॉजिकल रीजनिंग, लीगल, एटीट्यूड, गणित, अंग्रेजी और जनरल क्वेश्चन पूछे जाते हैं। इसके बाद 5 साल के कोर्स में आप एडमिशन ले सकते हैं।
सामान्यत : पांच साल के इन्टीग्रेटेड कोर्स के एंट्रेंस हेतु 200 अंकों के क्वेश्चन पेपर के लिए डेढ़ घंटे का टाइम दिया जाता है। इसमें इंग्लिश के 30 अंक, सामान्य ज्ञान के 50 अंक, लीगल एप्टीट्यूड के 20 अंक, लीगल रीजनिंग के 20 अंक होते हैं एवं 30 अंकों का एक एस्से भी लिखना होता है।
लॉ करने के बाद आपको इंटर्नशिप का कोर्स करना होता है और इस दौरान आपको काफी कुछ ट्रेनिंग मिलती है। इंटर्नशिप के बाद आपको किसी भी राज्य के स्टेट बार काउंसिल में इनरोलमेंट के लिए अप्लाई करना होता है और उसके बाद ऑल इंडिया बार कौंसिल का एग्जामिनेशन क्लियर करने के बाद आपको प्रैक्टिस का सर्टिफिकेट मिल जाता है और इसके बाद आप वकील बन जाते हैं।
हालाँकि, ग्रेजुएशन के बाद भी आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं और तब यह मात्र 3 साल का होता है। ग्रेजुएशन में भी आपको साधारणतया 50 परसेंट मार्क्स लाना होता है। वैसे एससी/ एसटी कटगरी स्टूडेंट्स के लिए इसमें छूट भी होती है।
लॉ की केटेगरी देखें तो मुख्यत : कॉर्पोरेट लॉ, क्रिमिनल लॉ, पेटेंट, एटर्नी, फैमिली लॉ, साइबर लॉ और बैंकिंग ला के रूप को गिनाया जा सकता है और किसी भी विषय में बाद में आप खुद को स्पेशलाइज कर सकते हैं। जैसा कि नाम के साथ ही स्पष्ट है कि पर्टिकुलर फील्ड में आप सम्बंधित क्षेत्र की विशेषज्ञता की हद तक जानकारी लेंगे।
खास बात यह भी है कि एलएलबी के बाद एलएलएम और पीएचडी जैसी विशेषज्ञता भी आप हासिल कर सकते हैं और बाद के दिनों में आप न्यायपालिका की परीक्षा देकर जज बनने की भी कोशिश कर सकते हैं।
लॉ करने के लिए देश भर के कुछ अच्छे कॉलेजों की बात करें तो नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिंटी, बेंगलुरु, नलसार यूनिवर्सिंटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इन्स्टीट्यूट यूनिवर्सिंटी, भोपाल, द वेस्ट बेंगाल नेशनल यूनिवर्सिंटी ऑफ ज्युरीडिकल साइंस, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिंटी, जोधपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिंटी, रायपुर, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिंटी, अहमदाबाद, डॉ.राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिंटी, लखनऊ, राजीव गाँधी नेशनल यूनिवर्सिंटी ऑफ लॉ, पटियाला, चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिंटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिंटी ऑफ एडवांस्ड लागल स्टडीज, कोच्चि का नाम मुख्य रूप से गिनाया जा सकता है। यूं अधिकांश यूनिवर्सिटीज में यह कोर्स उपलब्ध हैं और देश के तमाम जिलों में आपको ऐसे कॉलेज मिल जायेंगे, जहाँ से आप लॉ में एडमिशन लेकर कानून की समझ बढ़ा सकते हैं। वर्तमान में इस कोर्स के स्कोप की बात करने की जरुरत नहीं है, क्योंकि ट्रेडिशनल अदालती प्रैक्टिस के अलावा कॉरपोरेट वर्ल्ड में, एनजीओ में, बैंकिंग सेक्टर में, सरकार एवं उसके संस्थानों में, स्वतंत्र पत्रकारिता (फ्रीलांस जर्नलिज्म) में, सेना तक में, लॉ फर्म्स के साथ-साथन्यायिक सेवा तक में इसका विस्तार है।

सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में कानून का शासन है। हर चीज कानून के अनुसार चलती है। कानून के अनुसार ही प्रशासन चलता है, कानून के अनुसार ही अदालतों का सिस्टम चलता है।

दाऊद इब्राहिम से संबंध के चलते अनमोल बिश्नोई ने करवाई बाबा सिद्दीकी की हत्या

शूटर गौतम ने किया कबूल कहा- बाबा या बेटे जीशान को मारने का मिला था आदेश

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता रहे बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। शूटर ने कबूल किया है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची गई थी। उसने पुलिस को गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई का नाम बताया है। पुलिस ने इस मामले में 25 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

कुख्यात अपराधी अनमोल बिश्नोई ने 'दाऊद इब्राहिम से कथित संबंध को लेकर एनसीपी के दबंग नेता बाबा सिद्दीकी पर हमला करने का आदेश दिया था। सिद्दीकी पर हमले के आरोपी मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम ने अपने इकबालिया बयान में यह बात कही। गौतम का बयान महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को हुई हत्या के सिलसिले में दायर आरोपपत्र का हिस्सा है। मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में सिद्दीकी की उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

गौतम ने कहा कि उसे बाबा सिद्दीकी या जीशान सिद्दीकी को मारने के लिए कहा गया था और इसके बदले उसे 15 लाख रुपए देने का वादा किया था। उसने बताया है कि वह पुणे में कबाड़ इकट्ठा करता था और सह-आरोपी हरीश कुमार कश्यप को बेचता था। कबाड़ की दुकान संचालित करने वाले हरीश कश्यप ने उसके रहने की व्यवस्था की थी और इस दौरान उसकी जान-पहचान प्रवीण लोनकर और उसके भाई शुभम लोनकर से हुई थी।

गौतम ने बयान में कहा कि एक दिन शुभम लोनकर ने शूटर को बताया कि वह और उसका भाई बिश्नोई गिरोह के लिए काम करते हैं। जून 2024 में शुभम लोनकर (शुब्बू) ने मुझे और धर्मराज कश्यप को बताया कि अगर हम उसके कहने पर काम करेंगे तो हमें 10 से 15 लाख रुपए मिलेंगे। जब काम के बारे में पूछा तो शुभम ने बताया कि बाबा सिद्दीकी या उसके बेटे ज़ीशान सिद्दीकी की हत्या करनी है, लेकिन उसने कोई और जानकारी नहीं दी।

मुंबई पुलिस ने बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोप-पत्र दायर किया है। मीडिया रिपोर्ट्र्स के मुताबिक चार्जशीट में कहा गया है कि अनमोल की अगुवाई चलाए जाने वाले अपराध सिंडिकेट ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की थी। आरोपी ने पुलिस को अनमोल के साथ हुई बातचीत के बारे में भी बताया।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत का एक अंश है, राम राम भाई लोग आप सबको लॉरेंस भाई ने भी राम राम बोलने को बोला है। क्या चल रहा है। अपने को एक काम करना है, हिम्मत रखो। बांद्रा में घर के पास रेकी करना है, उसी एरिया में घर भाड़े से ले लो। अपना काम होने के बाद एक फोर व्हीलर गाड़ी और एक फ्लैट हर एक को मिलेगा...। उससे पहले 5 लाख रुपए एडवांस दूंगा। अपने भाई का बदला लेना है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने दावा किया है कि ये बातचीत शुभम लोनकर और अनमोल के बीच स्पीकर पर हुई है और उस दौरान तीन और आरोपी भी मौजूद थे। चार्जशीट में कहा गया है कि अनमोल ने हत्या की प्लानिंग अपने सहयोगी अनुज थापन की मौत का बदला के लिए की थी।

अखिलेश करेंगे केजरीवाल के संग मंच साझा, 30 जनवरी को रोड शो में दिखेगी विपक्षी एकता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच विपक्षी दलों की एकजुटता का नया नज़ारा देखने को मिलेगा। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंच साझा करने के साथ ही 30 जनवरी को रिठाला विधानसभा क्षेत्र में एक साथ रोड शो करेंगे। गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में समाजवादी पार्टी ने आम आदमी पार्टी का समर्थन करने का ऐलान किया है। ऐसे में अब सपा के नेता और सांसद अरविंद केजरीवाल के साथ चुनाव प्रचार करने जमीन पर उतरेंगे। खबर है कि कैराना से सांसद इकरा हसन भी आप के लिए चुनाव प्रचार में भाग लेंगी। दिल्ली में सत्तारूढ़ आप को पहले ही तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी), और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) का समर्थन मिल चुका है। हालांकि आप और कांग्रेस, दोनों ही पार्टियां भारत गठबंधन का हिस्सा रही हैं, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव में ये पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं। इस रोड शो के जरिए अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल अपनी एकता का प्रदर्शन कर भाजपा और कांग्रेस को चुनौती देंगे। यह कदम क्षेत्रीय दलों की ताकत को प्रदर्शित करने और आगामी चुनावों के लिए विपक्षी एकता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह रोड शो दिल्ली की सियासत में नया मोड़ ला सकता है और इसके परिणाम आगामी विधानसभा चुनावों पर प्रभाव डाल सकते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव 5 फरवरी को एक ही चरण में होंगे, जबकि मतों की गिनती 8 फरवरी को की जाएगी।

सुनारिया जेल से बाहर आया राम रहीम

- राम रहीम सिरसा के डेरे में 10 दिन रहेंगे

सिरसा। हरियाणा के सुनारिया जेल से बाबा राम रहीम सिंह, जिन्हें एक यौन शोषण और मर्डर केस में सजा हुई है, मंगलवार को 30 दिन की परोल दी गई है। इस संदर्भ में यह अद्वितीय है कि राम रहीम को उनकी 16वीं पैरोल मिल रही है, जिसमें उन्हें सुनारिया जेल से बाहर जाने के लिए अनुमति दी गई है। जेल सुप्रिन्टेंडेंट द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राम रहीम सिरसा के डेरे में 10 दिन रहेंगे, फिर उन्हें बागपत आश्रम भेजा जाएगा जहां वे 20 दिन गुजारेंगे। यह सोचने की बात है कि पूर्व में राम रहीम को इस अनौपचारिक अवकाश के दौरान बागपत की संस्था परियोजना आश्रम में रवाना होने की इजाजत नहीं दी गई थी। इस बार यह भाजपा सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण और समाचार में लाये जाने वाले बदलाव की दिशा में हो सकता है। राम रहीम के पैरोल मिलने के बाद से सिरसा डेरे मुख्यालय में एक उत्सव जैसा माहौल है जिसमें उनके अनुयायी उत्साहित हैं। भावनात्मक एवं नैतिक विचारों के संदर्भ में दर्जनों लोग सरकारी नीतियों और कानूनों के खिलाफ यह चिंता कर रहे हैं कि राम रहीम को बार-बार पैरोल क्यों दी जा रही है। इसी संदेश को लेकर गहरा चिंतन विधायकों और समाज के विचारकों में उत्पन्न हुआ है।

कुंभ स्पेशल ट्रेन पर पथराव, गेट नहीं खुलने पर चढ़ने वाले यात्रियों ने किया हंगामा

झांसी। झांसी से प्रयागराज जा रही एक विशेष ट्रेन पर हरपालपुर स्टेशन पर तब पथराव किया गया, जब प्लेटफार्म पर इंतजार कर रहे यात्रियों ने डिब्बों के दरवाजे बंद मिले। वीडियो में हमलावरों को ट्रेन पर पत्थर फेंकते और उसकी खिड़कियां तोड़ते हुए दिखाई दिए है, जबकि यात्री डर के मारे चीख रहे हैं। वीडियो में एक यात्री यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ट्रेन कल रात करीब 8 बजे झांसी स्टेशन से प्रयागराज के लिए रवाना हुई थी। ट्रेन हरपालपुर पहुंची और तभी हमला हुआ। उन्होंने ट्रेन को नुकसान पहुंचाया और अंदर पत्थर फेंके। उन्होंने यात्रियों को मारने की कोशिश की। यहां महिलाएं और बच्चे भी हैं। यह विशेष ट्रेन प्रयागराज में महाकुंभ के लिए चलाई जा रही है, जिसमें देश भर से पर्यटक आ रहे हैं। ट्रेन में सवार होने वाले ज़्यादातर यात्री आध्यात्मिक उत्सव में शामिल होने जा रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि कई लोग हरपालपुर (झांसी से करीब दो घंटे की दूरी पर) में ट्रेन में चढ़ने के लिए इंतजार कर रहे थे। लेकिन जब उन्होंने ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की तब उन्हें दरवाजे बंद मिले। इसके बाद यात्री हिंसक हो गए और डिब्बों पर पत्थर फेंकना शुरु कर दिया। उन्होंने ट्रेन के दरवाजों की खिड़कियां भी तोड़ दीं, जिससे अंदर बैठे यात्रियों में दहशत फैल गई।

राजस्थान में जारी है कड़ाके की सर्दी का दौर, फरवरी में बारिश की आंशका

जयपुर। राजस्थान में अब दिन में सर्दी से थोड़ी राहत मिलने लगी है। हालांकि, रात का तापमान में अब भी कई जिलों में 5 डिग्री के पास बना हुआ है। वहीं फसलों पर जम रही ओस ने भी किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विशेषज्ञों ने पाला पड़ने की भी आशंका जाहिर की है। वहीं, मौसम केंद्र ने फरवरी के पहले सप्ताह में बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में 29 जनवरी से न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी होनी शुरू होगी।

29 जनवरी से सुबह-शाम की सर्दी होगी कम

राजस्थान में पिछले दो-तीन दिन से लगातार न्यूनतम तापमान गिर रहे और सुबह-शाम की सर्दी तेज हो रही है। लेकिन 29 जनवरी से कड़ाके की सर्दी से भी थोड़ी राहत मिलेगी है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक कल से उत्तर भारत पर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, इससे हवाओं की दिशा में बदलाव होगा। पश्चिमी हवा चलने लगेगी, जिससे न्यूनतम तापमान में भी 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। राजस्थान में फरवरी के पहले सप्ताह (4-5 फरवरी) के आसपास के सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इस सिस्टम के असर से राजस्थान के कई हिस्सों में मेघगर्जना के साथ बारिश हो सकती है। इस सिस्टम का असर दो या तीन दिन रह सकता है।

राजौरी में तीन बहनें ठीक होकर घर लौटीं, पूरे जिले में राहत और खुशी की लहर

राजौरी। राजौरी के बडाल इलाके की दर्दनाक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल था, वहीं तीन बहनों के चमत्कारिक रूप से स्वस्थ होने पर पूरे जिले में राहत और खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। राजौरी के जिला विकास आयुक्त अभिषेक शर्मा ने राजौरी के अस्पताल का दौरा कर इन बहनों से मुलाकात की और उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। बता दें कि पहले 2 बहनों के स्वस्थ होने की सूचना मिली थी इसके बाद तीसरी बहन के भी स्वस्थ होने पर तीनों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। प्रिंसिपल जी.एम.सी. राजौरी डॉ ए.एस भाटिया ने कहा कि तीनों बहनों को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उनके परिवार और स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। उन्होंने इस डॉक्टरों का प्रयास बताया। बडाल घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया था, लेकिन इन बहनों की स्वस्थ वापसी ने साबित कर दिया कि जीवन में उम्मीदें कभी खत्म नहीं होतीं। उन्होंने ने कहा कि हमारे डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ ने दिन रात मेहनत की है, जिसका यह नतीजा है कि सभी बीमार लोग ठीक हो रहे हैं।

संजय रॉय को अब फांसी की सजा देने के खिलाफ...पीड़ित के माता-पिता

कोलकाता। कोलकाता रेप-मर्डर केस में पीड़ित मेडिकल स्टूडेंट के माता-पिता दोषी संजय रॉय को अब फांसी की सजा देने के खिलाफ हैं। पीड़ित के माता-पिता की वकील गार्गी गोस्वामी ने कलकत्ता हाईकोर्ट को बताया कि उनका कहना है कि हमारी बेटी की जान गई, इसका मतलब नहीं कि संजय की जान जाए। सियालदह कोर्ट ने संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, अगले एक साल तक नहीं बढ़ेगा अटल सेतु पुल पर टोल टैक्स

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लेकर अटल सेतु पर टोल दर को अगले एक साल तक बढ़ाने पर रोक लगा दी है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला लिया गया कि अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु के टोल टैक्स को 250 रुपये की दर पर एक और वर्ष तक जारी रहेगा।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साल पहले 12 जनवरी, 2024 को करीब 22 किलोमीटर लंबे पुल का उद्घाटन किया था। यह पुल महाराष्ट्र में एक प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना के पूरा होने का प्रतीक है। पुल दक्षिण मुंबई के सेवरी से शुरू होकर एलीफेंटा द्वीप के उत्तर में ठाणे क्रीक को पार कर चिर्ले गांव में समाप्त होता है

यह फैसला मुंबई और एमएमआर क्षेत्र के लाखों यात्रियों के लिए सुखद खबर है। महाराष्ट्र सरकार ने स्पष्ट किया कि अगले 12 महीनों तक टोल में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं होगी। गौरतलब है कि हाल ही में अटल सेतु पुल के जरिए मुंबई और नवी मुंबई के बीच यात्रा करना काफी किफायती हुआ है, क्योंकि नवी मुंबई नगर परिवहन (एनएमएमटी) ने किराए में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती की है। यह पुल क्षेत्र में यात्रा समय को कम करने और कनेक्टिविटी में सुधार लाने में एक अहम भूमिका निभाता है। करीब 17,840 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु' भारत का सबसे लंबा पुल है और देश में समुद्र पर बनी सबसे लंबी संरचना भी है। समुद्र पर करीब 16.5 किलोमीटर और जमीन पर 5.5 किलोमीटर की लंबाई वाला छह लेन का यह पुल मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आगामी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (इस वर्ष के अंत में चालू होने की उम्मीद) के बीच तेज संपर्क प्रदान करेगा। इस पुल का निर्माण होने ने मुंबई से पुणे, गोवा और दक्षिण भारत की यात्रा का समय कम हो गया है, साथ ही मुंबई बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह के बीच संपर्क में सुधार हुआ है।

सीमा विवाद सुलझाने के बाद और करीब आए भारत और चीन

कैलाश मानसरोवर यात्रा होगी शुरू, दोनों देश सीधी उड़ान पर हुए सहमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन अब दोस्ती का हाथ बढ़ा रहे हैं। पुरानी बातें भूलकर दोनों रिश्तों की नई पटकथा लिख रहे हैं। इसका असर दिखने भी लगा है। पहले तो एलएसी पर सीमा विवाद सुलझा। दोनों देशों के सैनिक पीछे हटे। जहां-जहां तनाव था, वहां से डिसइंगेजमेंट हो गया। अब भारत और चीन फिर से कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू करेंगे। दोनों देश सीधी उड़ान पर सहमत हो गए हैं। भारत और चीन ने सोमवार को अपने रिश्तों के पुनर्निर्माण की दिशा में यह घोषणा की। इसके तहत इस साल गर्मी के मौसम में कैलाश मानसरोवर की यात्रा फिर से शुरू हो सकती है।

2020 के बाद से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें बंद हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा पांच साल बाद शुरू होगी। साल 2020 में भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी और पैंगोंग त्सो झील के पास झड़पें हुई थीं। इन झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। हर तरह के संबंध तोड़ दिए थे। भारत और चीन के बीच सीधी उड़ान की सेवा बंद थी, लेकिन अब सब नॉर्मल होने जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर यात्रा फिर से शुरू करने पर कैसे चीन मान गया?

भारत और चीन के बीच रिश्ते सुधरने की सबसे अहम वजह है बातचीत। 2020 में रिश्तों में दरार पड़ने के बाद दोनों देशों ने लगातार बातचीत की। बातचीत का नतीजा है कि अब दोनों देशों के बीच रिश्ते सामान्य होते नजर आ रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर महीने पीएम मोदी और शी जिनपिंग कजान शहर में ब्रिक्स समिट में मिले थे। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। इस मुलाकात में ही सीमा पर शांति और दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारने पर सहमति बनी थी। इस दौरान सीमा पर तनाव कम करने, कैलाश मानसरोवर यात्रा और डायरेक्ट फ्लाइट की बहाली पर मोदी ने जिनपिंग को समझाया था। जिसके बाद भारत और चीन के बीच बातचीत हुई थी।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कैलाश मानसरोवर यात्रा की फिर से बहाली और सीधी उड़ानों को शुरू होने के पीछे पीएम मोदी और शी जिनिपंग के बीच मुलाकात है।

पीएम मोदी और जिनपिंग की उस मुलाकात के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी समकक्ष वांग यी की मुलाकात हुई थी। दोनों के बीच भारत-चीन सीमा पर सैनिकों की वापसी पर चर्चा हुई साथ ही भारत और चीन के रिश्तों को 2020 से पहले वाली स्थिति में करने पर भी बातचीत हुई थी। इतना ही नहीं, पिछले महीने एनएसए अजीत डोभाल ने बीजिंग का दौरा किया था। इन बातचीत और मुलाकातों ने भारत और चीन के बीच रिश्तों को नया मुकाम दिया। इसका असर हुआ कि अब भारत और चीन के बीच रिश्ते सुधर रहे हैं। इसका एक और उदाहरण यह भी है कि चीन अब भारत का सबसे बड़ा कारोबारी भागीदार बन चुका है। पहले यह तमगा अमेरिका के पास था।

दिल्ली में आप के समर्थन में प्रचार करने उतरेंगे बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा

नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार करते दिखाई देने वाले है। पार्टी सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। आप के सूत्र के अनुसार, आसनसोल से टीएमसी सांसद सिन्हा 1 और 2 फरवरी को करीब तीन निर्वाचन क्षेत्रों में आप के लिए प्रचार करने वाले है। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र, मुख्यमंत्री आतिशी का कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र और मनीष सिसोदिया का जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। टीएमसी का मानना है कि अभिनेता से नेता बने, जो बिहार से हैं, दिल्ली के पूर्वांचली मतदाताओं को एकजुट कर सकते हैं। शहर में पूर्वांचली एक प्रभावशाली मतदाता हैं। सूत्र ने कहा कि एक या दो और टीएमसी नेता दिल्ली में चुनाव प्रचार में शामिल हो सकते हैं। टीएमसी ने दिल्ली चुनाव के लिए आप को समर्थन दिया था, जहां भाजपा और कांग्रेस भी मैदान में हैं, इससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। टीएमसी और आप इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं, जिसकी सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस है। टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी न केवल भाजपा बल्कि कांग्रेस के खिलाफ भी अभियान चलाएगी, जो विपक्षी गठबंधन के भीतर बढ़ती दरार को दिखाता है।

पुणे में जीबीएस का प्रकोप, एक मरीज की मौत, केंद्र सरकार ने टीम भेजी

पुणे (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र के पुणे में जीबीएस संक्रमण फैल रहा है। अब तक पुणे में 111 मरीज पाए गए हैं। इनमें 1 मरीज की मौत हो गई है। इसके अलावा सोलापुर और कोल्हापुर में दो-दो मरीज मिले हैं। जबकि नागपुर में 6 मरीज मिले हैं। जीबीएस रोग के बढ़ते प्रसार को देखते हुए केंद्र सरकार द्वारा भी कदम उठाए गए हैं। केंद्र सरकार ने जीबीएस बीमारी के संबंध में एक केंद्रीय टीम नियुक्त की है। यह दल महाराष्ट्र आ चुका है। बताया गया है कि केंद्र सरकार ने गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के मामलों से निपटने में राज्य की सहायता के लिए एक उच्च स्तरीय और बहु-विषयक टीम महाराष्ट्र भेजी है। जीबीएस के संदिग्ध और पुष्ट मामलों में वृद्धि को देखते हुए, राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों को सलाह और सहायता देने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम पुणे भेजी गई है। पुणे में इस समय गिलियन-बैरे सिंड्रोम का प्रकोप है और नागरिकों में भय का माहौल बन गया है। बताया जा रहा है कि

केंद्रीय टीम में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, दिल्ली, निम्हान्स, बेंगलुरु, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के क्षेत्रीय कार्यालय और पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान के सात विशेषज्ञ शामिल हैं।

पुणे स्थित एनआईवी के तीन विशेषज्ञ स्थानीय प्रशासन की सहायता कर रहे हैं।

यह टीम राज्य स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर जमीनी स्थिति का आकलन करेगी तथा आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की सिफारिश करेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर नजर रख रहा है और राज्य के साथ समन्वय करके सक्रिय कदम उठा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने समीक्षा की, स्वास्थ्य अधिकारियों को जारी किए निर्देश

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबीटकर और विभागीय आयुक्त डॉ. पुलकुंडवार ने राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग और पुणे महानगरपालिका के अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। आज तक इस रोग के 111 मामले सामने आए हैं तथा ससून अस्पताल द्वारा सोमवार को दी गई सूचना के अनुसार 10 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। मरीज मुख्य रूप से पुणे मनपा क्षेत्र के सिंहगढ़ रोड, खड़कवासला, किरकिटवाडी, नांदेड़गांव, नांदेड़ सिटी, धायरी, आंबेगांव से हैं, जबकि कुछ मरीज पिंपरी चिंचवड़ मनपा और अन्य जिलों से हैं। स्वास्थ मंत्री ने निर्देश दिया है कि इन मरीजों का उचित तरीके से पता लगाने की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि वे समझ सकें कि इस बीमारी का कारण क्या है। रोगियों की दैनिक संख्या और ठीक होने वाले रोगियों की संख्या को हर शाम बिना चूके अद्यतन किया जाना चाहिए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग और मनपा संपर्क अधिकारी नियुक्त करें जो उन अस्पतालों से संपर्क करें जहां मरीज उपचार करा रहे हैं। बोतलबंद पानी के नमूनों का परीक्षण खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा किया जाना चाहिए। इस दौरान यह भी निर्देश दिए गए कि मनपा के स्वास्थ्य विभाग जार में बिकने वाले पानी का निरीक्षण करें।

170प्र. बढ़ी कांग्रेस की इनकम, बीजेपी की हुई रिकॉर्ड कमाई, ईसी ने जारी की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट

पुणे (एजेंसी)। चुनाव आयोग के पास दाखिल पार्टी की हालिया वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा की सालाना कमाई 2022-23 में 2360.8 करोड़ रुपये से 83त्न बढ़कर 2023-24 में 4340.5 करोड़ रुपये हो गई है। जिसमें से 1685.6 करोड़ रुपये चुनावी बॉन्ड के माध्यम से आए। यह किसी भी पार्टी के ज़रिए घोषित बॉन्ड से अब तक की सबसे ज्यादा कमाई है। भारत के चुनाव आयोग ने डेटा उपलब्ध कराया जिससे पता चला कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपाके पास 7,113.80 करोड़ रुपये की भारी नकदी और बैंक बैलेंस है। 31 मार्च 2024 तक 857.15 करोड़ रुपये के साथ भारत की दूसरी सबसे अमीर राजनीतिक पार्टी कांग्रेस है।

बीजेपी ने 2023-24 के दौरान 1,754.06 करोड़ रुपये खर्च किए

चुनाव आयोग को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, भगवा पार्टी ने 2023-24 के दौरान 1,754.06 करोड़ रुपये खर्च किए, जब लोकसभा चुनावों की घोषणा हुई, जो 2022-23 में खर्च किए गए 1,092 करोड़ रुपये से 60 प्रतिशत अधिक है। 16 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई।

कांग्रेस ने 2023-24 के दौरान 619.67 करोड़ रुपये खर्च किये

दूसरी तरफ, सबसे पुरानी पार्टी ने 2023-24 के दौरान 619.67 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि 2022-23 में 192.56 करोड़ रुपये खर्च किए। चुनाव आयोग की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट से पता चला है कि भाजपा को 2023-24 के दौरान अब प्रतिबंधित चुनावी बांड के माध्यम से 1,685.69 करोड़ रुपये का स्वैच्छिक योगदान प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले वर्ष यह 1294.15 करोड़ रुपये था। सत्तारूढ़ दल ने वर्ष के दौरान 2,042.75 करोड़ रुपये का अन्य योगदान भी प्राप्त किया है, जबकि पिछले वर्ष 2022-23 में 648.42 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ था। चुनाव आयोग को अपनी ऑडिट रिपोर्ट में कांग्रेस ने 2023-24 के दौरान कुल 1,225.11 करोड़ रुपये का योगदान प्राप्त किया है, जिसमें अनुदान, दान और अंशदान के माध्यम से 1129.67 करोड़ रुपये शामिल हैं।

प्रदूषण के चलते मुंबई में डीजल-पेट्रोल गाड़ियां होंगी बैन? सरकार ने की कमेटी गठित

-सात सदस्यीय कमेटी तीन महीने में सौंपेगी अपने सुझाव, एक्सपर्ट्स भी होंगे शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने बढ़ते प्रदूषण के चलते मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र में डीजल-पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने इसके लिए 7 सदस्यों की एक कमेटी गठित की है, जो तीन महीने में अपने सुझाव पेश करेगी। 22 जनवरी को जारी आदेश के मुताबिक रिटायर्ड आईएएस सुधीर श्रीवास्तव कमेटी को लीड करेंगे। इसमें ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, जॉइंट पुलिस कमिश्नर ट्रैफिक, महानगर गैस लिमिटेड के एमडी, पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (के अध्यक्ष और जॉइंट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर सदस्य शामिल होंगे।

आदेश के मुताबिक कमेटी स्टडी के लिए अलग-अलग एक्सपर्ट्स को भी पैनल में शामिल कर सकती है। मुंबई महानगर में पड़ोसी ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिले के क्षेत्र भी शामिल हैं। यानी डीजल-पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध को लेकर इन इलाकों में भी स्टडी की जाएगी। कोर्ट ने बृहन्मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिया है कि लकड़ी और कोयले का इस्तेमाल करने वाली शहर की बेकरी एक साल की समय सीमा के बजाय 6 महीने में गैस या अन्य हरित ईंधन का इस्तेमाल करना शुरू करें।

कोर्ट ने कहा था कि अब से कोयले या लकड़ी पर चलने वाली बेकरी या इस तरह के व्यवसाय खोलने के लिए मंजूरी नहीं देगी। नए लाइसेंस इस शर्त का पालन करने के बाद दिए जाएंगे कि वे केवल हरित ईंधन का इस्तेमाल करें। इसके बाद राज्य सरकार ने मुंबई महानगर क्षेत्र में पेट्रोल-डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को अनुमति देने पर स्टडी करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक्सपर्ट्स कमेटी बनाई है। कोर्ट ने बीएमसी और एमपीसीबी को निर्माण स्थलों पर प्रदूषण इंडिकेटर्स लगाने का भी निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप का फरमान मानने से कोलंबिया का इनकार; निर्वासन उड़ानों को अस्वीकार किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि कोलंबिया की सरकार ने प्रवासियों को लाने वाली दो उड़ानों को अस्वीकार कर दिया है और इसलिए वह कोलंबिया के खिलाफ शुल्क, वीजा प्रतिबंध और अन्य जवाबी कदम उठाने का आदेश दे रहे हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल पर यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के फैसले ने अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को ''खतरे में डाल दिया है। ट्रंप ने लिखा, ''ये सिर्फ़ शुरुआती कदम हैं। हम कोलंबियाई सरकार को अमेरिका में जबरन घुसे अपराधियों को स्वीकार करने और उनकी वापसी संबंधी उसके कानूनी दायित्वों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं देंगे। इससे पहले रविवार को पेट्रो ने घोषणा की थी कि उनकी सरकार अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों को लाने वाली उड़ानों को तब तक स्वीकार नहीं करेगी, जब तक कि ट्रंप प्रशासन उनके साथ ''सम्मानजनक व्यवहार वाला एक एक प्रोटोकॉल नहीं बनाता।

अर्धसैनिक बलों के खिलाफ लड़ाई खत्म होने वाली है: सूडानी सेना प्रमुख

खार्तूम, एजेंसी। सूडान की संक्रमणकालीन संप्रभु परिषद के अध्यक्ष, अब्देल फत्ताह अल-बुरहान ने रविवार को कहा कि सूडानी सेना की अर्धसैनिक बलों, विशेष रूप से रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के खिलाफ चल रही लड़ाई अब खत्म होने वाली है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्रोह को समाप्त कर दिया जाएगा। अल-बुरहान ने यह टिप्पणी सूडान की राजधानी खार्तूम में स्थित सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) के जनरल कमांड मुख्यालय का दौरा करते हुए की, जिसे हाल ही में आरएसएफ द्वारा 21 महीने तक घेरे में रखा गया था और अब वह मुक्त हो चुका है। अल-बुरहान ने सैनिकों की भीड़ से कहा, लड़ाई खत्म होने वाली है और विद्रोह को खत्म कर दिया जाएगा। सूडानी लोगों से हमारी प्रतिज्ञा है कि हम इन अपराधियों से तब तक लड़ेंगे जब तक हम उन्हें हरा नहीं देते। उन्होंने यह भी कहा, हमारे सशस्त्र बल सक्षम हैं, और वे पराजित नहीं होंगे। उनका इतिहास खुद बोलता है। इससे पहले शुक्रवार को सूडानी सेना ने घोषणा की थी कि उसने अपने जनरल कमांड मुख्यालय की घेराबंदी को तोड़ दिया है, जो अप्रैल 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से चली आ रही थी। यह मुख्यालय खार्तूम के केंद्र में स्थित है और इसमें सेना मुख्यालय, नौसेना कमान, वायु सेना मुख्यालय, सैन्य खुफिया और रक्षा मंत्रालय जैसी महत्वपूर्ण इमारतें शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों के अनुसार, अप्रैल 2023 से सूडान में एसएएफ और आरएसएफ के बीच संघर्ष जारी है, जिसमें अब तक कम से कम 28,000 लोगों की जान जा चुकी है और 15 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं, चाहे वे सूडान के अंदर हों या बाहर।

दक्षिण कोरिया के अभियोजन पक्ष ने राष्ट्रपति यून पर विद्रोह के आरोप में अभियोग लगाया

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के अभियोजन पक्ष ने राष्ट्रपति यून सुक-योल पर विद्रोह के आरोप में अभियोग लगाया है। यह जानकारी रविवार को कई मीडिया रिपोर्ट्स ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यून को विद्रोह के संदिग्ध सरगना के रूप में हिरासत में लिया गया और उनके खिलाफ मुकदमा चलाया गया। इस तरह वह दक्षिण कोरिया के पहले मौजूदा राष्ट्रपति बन गए हैं, जिनके खिलाफ विद्रोह के आरोप में अभियोग दायर किया गया है। राष्ट्रपति यून पर आरोप है कि उन्होंने पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून के साथ मिलकर एक साजिश रची थी, ताकि देश में असंवैधानिक और अवैध मार्शल लॉ लागू किया जा सके। इस साजिश का उद्देश्य नेशनल असेंबली में सशस्त्र बलों को भेजना था। किम योंग-ह्यून पहले से ही हिरासत में हैं और उन पर भी आरोप लगाए गए हैं। जब भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने यून के खिलाफ मामला उठाया, तो अभियोजन पक्ष ने उन्हें गिरफ्तार करने और जांच को आगे बढ़ाने के लिए दो बार अदालत से अनुरोध किया। हालांकि, सोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने इस आवेदन को बार-बार खारिज कर दिया, और यून को जल्द से जल्द मुकदमे का सामना करने के लिए अदालत में पेश करने का आदेश दिया। 19 जनवरी को सोल की एक अन्य अदालत ने यून को गिरफ़्तारी अवधि सहित 20 दिनों तक हिरासत में रखने का वारंट जारी किया था। उन्हें 15 जनवरी को राष्ट्रपति कार्यालय में गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा, 14 दिसंबर 2022 को दक्षिण कोरिया की नेशनल असेंबली ने यून के खिलाफ महाभियोग चलाने का प्रस्ताव पारित किया था। इस पर विचार-विमर्श के लिए यह मामला संवैधानिक अदालत को भेजा गया था, और इस दौरान यून की राष्ट्रपति की शक्तियां निलंबित हो गई थीं। यून पर आरोप है कि उन्होंने 3 दिसंबर 2022 की रात को आपातकालीन मार्शल लॉ लागू किया था, जिसे कुछ घंटों बाद नेशनल असेंबली ने रद्द कर दिया था।

प्लेन में न पानी, न एयर कंडीशनिंग, अमेरिका से निर्वासित ब्राजीलियाई हथकड़ी और बेड़ियों में पहुंचे

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। अमेरिका से निर्वासित किए गए दर्जनों अप्रवासी हथकड़ी में विमान से ब्राजील पहुंचे. इस पर ब्राजील सरकार ने नाराजगी व्यक्त की है. उसने कहा है कि वह डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन से इस पर स्पष्टीकरण मांगेगी. ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने कहा कि घर वापसी के दौरान अप्रवासियों के साथ किया गया व्यवहार मानवाधिकारों की घोर अवहेलना है.

यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब लैटिन अमेरिका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कट्टर अप्रवासी विरोधी एजेंडे से जूझ रहा है. एक सप्ताह पहले सत्ता में लौटने के बाद से ट्रम्प ने अनियमित प्रवास और सामूहिक निर्वासन पर अपनी कार्रवाई की योजनाओं को लागू किया है. कई विमानों से अवैध अप्रवासियों को ग्वाटेमाला और ब्राजील जैसे विभिन्न देशों में ले जाया जा रहा है.

जब ऐसा ही एक प्लेन ब्राजील के उत्तरी शहर मनौस में उतरा, तो अधिकारियों ने कथित तौर पर पाया कि विमान में सवार 88 ब्राजीलियाई लोगों को हथकड़ी लगी हुई थी. ब्राजील के न्याय मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों को तुरंत हथकड़ी हटाने का आदेश दिया.

बयान में कहा गया है कि न्याय मंत्री रिकार्डो लेवांडोव्स्की ने राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा को ब्राजील के नागरिकों के मौलिक अधिकारों की घोर उपेक्षा के बारे में बताया. विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि ब्राजील शुक्रवार को रात की उड़ान में यात्रियों के साथ अपमानजनक व्यवहार के बारे में अमेरिकी सरकार से स्पष्टीकरण मांगेगा. विमान में सवार ब्राजीलियाई लोगों में 31 साल के कंप्यूटर तकनीशियन एडगर दा सिल्वा मौरा भी शामिल थे. निर्वासित होने से पहले वह सात महीने तक अमेरिका में हिरासत में रहे.

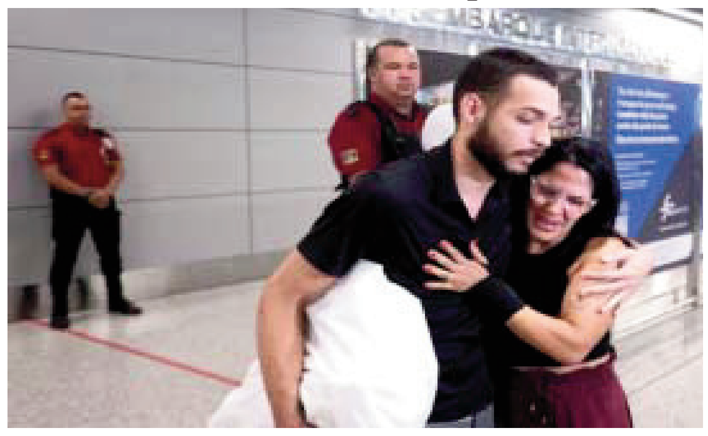

उन्होंने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया, विमान में, उन्होंने हमें पानी नहीं दिया, हमारे हाथ-पैर बंधे हुए थे, उन्होंने हमें बाथरूम भी नहीं जाने दिया. मौरा ने कहा, वहां बहुत गर्मी थी, कुछ लोग बेहोश हो गए. इक्कीस साल के लुइस एंटोनियो रोड्रिग्स सैंटोस भी विमान में थे. उन्होंने विमान में तकनीकी समस्याओं के कारण बिना एयर कंडीशनिंग के चार घंटे के सफर के दौरान सांस की समस्याओं से पीड़ित लोगों के दुःस्वप्न को याद किया. उन्होंने कहा, चीजें पहले ही बदल चुकी हैं (ट्रंप के साथ), अप्रवासियों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है. यह उड़ान मूल रूप से दक्षिण-पूर्वी शहर बेलो होरिज़ोंटे के लिए निर्धारित थी, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण इसे मनौस में उतरना पड़ा.

उड़ान ट्रंप के प्लान का हिस्सा नहीं : एक सरकारी सूत्र ने एएफपी को बताया कि निर्वासन उड़ान का सीधा संबंध ट्रंप द्वारा पदभार ग्रहण करने पर जारी किए गए किसी भी इमिग्रेशन आर्डर से नहीं था, बल्कि यह 2017 के द्विपक्षीय समझौते से उपजा था.

ब्राजील के मानवाधिकार मंत्री मैके एवरिस्टो ने पत्रकारों को बताया कि, उड़ान में ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ... बहुत गंभीर अनुभवों से गुजरे हैं. ब्राजील के टेलीविजन पर फुटेज में कुछ यात्री नागरिक विमान से उतरते हुए दिखाई दिए, जिनके हाथों में हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां लगी हुई थीं.

न्याय मंत्रालय ने कहा, स्थिति के बारे में जानने के बाद राष्ट्रपति लूला ने आदेश दिया कि ब्राजीलियाई लोगों को उनके अंतिम गंतव्य तक पहुंचाने के लिए ब्राजीलियाई वायु सेना के विमान को तैनात किया जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अपनी यात्रा सम्मान और सुरक्षा के साथ पूरी कर सकें. ब्राजील सरकार के एक सूत्र ने एएफपी को बताया कि मनौस में पहुंचे निर्वासित लोग अपने दस्तावेजों के साथ यात्रा कर रहे थे, जिससे पता चलता है कि वे घर लौटने के लिए सहमत थे.

ट्रम्प का इमिग्रेशन एक्शन : डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनाव प्रचार के दौरान अवैध इमिग्रेशन पर कार्रवाई का वादा किया था और अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत अमेरिका में एंट्री को सुधारने के उद्देश्य से कार्रवाइयों की झड़ी लगा दी. अपने कार्यकाल के पहले दिन, उन्होंने दक्षिणी अमेरिकी सीमा पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने के आदेशों पर हस्ताक्षर किए और आपराधिक विदेशियों को निर्वासित करने का संकल्प लेते हुए क्षेत्र में और अधिक सैनिकों की तैनाती की घोषणा की. सोमवार से कई निर्वासन उड़ानों ने जनता और मीडिया का ध्यान आकर्षित किया. हालांकि पिछले अमेरिकी राष्ट्रपतियों के शासन काल में भी ऐसी कार्रवाइयां आम थीं.

बांग्लादेश की यूनुस सरकार बड़ी मुश्किल में, ट्रम्प ने सहायता कार्यक्रमों के लिए धनराशि रोकी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के लिए यह एक बड़ा झटका है, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका की दानदाता एजेंसी, यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) ने देश में किए जा रहे किसी भी अनुबंध, कार्य आदेश, अनुदान, सहकारी समझौतों या अन्य सहायता या खरीद उपकरणों के तहत किए जा रहे किसी भी काम को अचानक समाप्त या निलंबित करने का फैसला किया है। शनिवार को परियोजना कार्यान्वयन भागीदारों को भेजे गए एक संदेश में, यूएसएआईडी ने बांग्लादेश में अपने भागीदारों को यह आदेश दिया। अपने पत्र में, यूएसएआईडी ने सभी यूएसएआईडी/बांग्लादेश कार्यान्वयन भागीदारों को यूएसएआईडी/बांग्लादेश अनुबंध, कार्य आदेश, अनुदान, सहकारी समझौते, या अन्य सहायता या अधिग्रहण साधन के तहत किसी भी कार्य को तुरंत रोकने या निलंबित करने का निर्देश दिया।

निलंबन को विदेशी सहायता आवंटन की व्यापक समीक्षा के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। यह आदेश इजरायल और मिस्र को सैन्य वित्तपोषण को छोड़कर सभी मौजूदा विदेशी सहायता को कवर करता है। इस कदम से महत्वपूर्ण सहायता कार्यक्रमों को रोकने की संभावना है क्योंकि यह सुनिश्चित करेगा कि अरबों डॉलर की जीवन रक्षक सहायता रोक दी जाए।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज के साथ अपनी बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर भी संक्षिप्त चर्चा की। जयशंकर ने भारतीय पत्रकारों के एक समूह से कहा, हां, हमने बांग्लादेश पर संक्षिप्त चर्चा की। मुझे नहीं लगता कि मुझे और अधिक विवरण में जाना उचित होगा।

मंत्री इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या रुबियो और वाल्ट्ज के साथ उनकी बैठकों के दौरान बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार पर चर्चा हुई। इससे पहले, भारतीय अमेरिकी कांग्रेसी थानेदार ने अमेरिकी वित्त और राज्य विभागों से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जघन्य कृत्य करने वालों पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें लागू करने का आग्रह किया था। उन्होंने बांग्लादेश में मानवाधिकारों के उल्लंघन का मुद्दा भी उठाया।

लेबनान से इजराइली सैनिकों की वापसी 18 फरवरी तक बढ़ी

बेरूत/तेल अवीव, एजेंसी। लेबनान से इजराइली सैनिकों की वापसी की समय सीमा 18 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। रविवार को अमेरिकी व्हाइट हाउस ने इसकी जानकारी दी। हिजबुल्लाह के साथ सीजफायर के लिए इजराइल-लेबनान में 27 नवंबर को सीजफायर साइन हुआ था। इसके तहत 60 दिनों में साउथ लेबनान से इजराइली सेना के वापस लौटने की डेडलाइन रखी गई थी, जो 25 जनवरी को पूरी हो गई। इजराइल ने सेना की वापसी की समय सीमा बढ़ाने की मांग की थी। दरअसल इजराइल, साउथ लेबनान के सभी इलाकों में लेबनानी सेना तैनाती चाहता है, जिससे यहां हिजबुल्लाह के लड़ाकों की मौजूदगी न बन पाए।साउथ लेबनान में रविवार, 26 जनवरी को इजराइली सैनिकों की वापसी को लेकर प्रदर्शन हुए। ये प्रदर्शनकारी सीजफायर समझौते के तहत इजराइली सेना से वापस जाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान इजराइली सेना ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इस गोलीबारी में 22 लोगों की मौत हो गई और 124 लोग घायल भी हुए हैं। मृतकों में 6 महिलाएं और एक क लेबनानी सेना का सैनिक शामिल है। बॉर्डर इलाके के 20 गांवों के लोग इस गोलीबारी में घायल हुए हैं।इजराइल और हिजबुल्लाह में अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता से सीजफायर हुआ था।

तीन पूर्व अधिकारियों की सुरक्षा हटाने पर सीनेटर कॉटन ने जताई आपत्ति, कहा- फैसले पर दोबारा विचार करें ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, उनके सहयोगी ब्रायन हुक और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन की सुरक्षा हटाने पर सीनेट खुफिया समिति के अध्यक्ष ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप को अपने फैसले एक बार फिर विचार करना चाहिए।

सीनेटर टॉम कॉटन ने कहा है कि यह सुरक्षा सिर्फ उन पूर्व वरिष्ठ राष्ट्रीय अधिकारियों के लिए नहीं है, बल्कि आम लोगों के लिए भी है। वे राष्ट्रपति द्वारा उन लोगों को निशाना बनाए जाने के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं जिन्हें वे अपने विरोधी मानते हैं। कॉटन ने कहा कि राष्ट्रपति को व्हाइट हाउस में सेवा के लिए योग्य व्यक्तियों को बनाए रखने की जरूरत होती है। इसके लिए कभी-

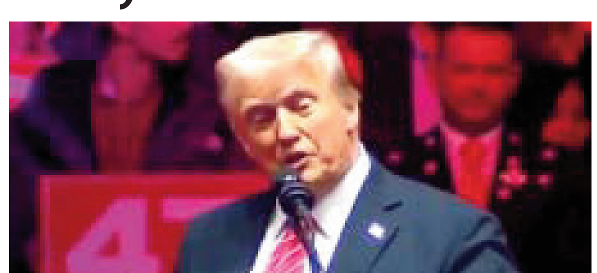

कभी अधिकारियों के लिए सुरक्षा की जरूरत पड़ सकती है। मैंने हाल ही में खुफिया जानकारी देखी है कि तीनों पूर्व अधिकारी ईरान के निशाने पर हैं।

सीनेटर ने कहा कि ट्रंप को पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, उनके सहयोगी ब्रायन हुक और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन की सुरक्षा पर फिर से विचार करना चाहिए। तीनों अधिकारी ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी पर घातक ड्रोन हमले की योजना बनाने और चर्चा करने में सभी शामिल थे।

उन्होंने कहा कि कासिम सुलेमानी पर राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से किए गए हमले में शामिल किसी भी व्यक्ति के लिए खतरा लगातार बना हुआ है। क्योंकि ईरान इन सभी लोगों से बदला लेने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अफसोस जताने से बेहतर है कि सुरक्षित रहें। यह सिर्फ उन लोगों के बारे में नहीं है जिन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की उनके पहले कार्यकाल में उनकी नीति को लागू करने में मदद की थी। यह उनके परिवार, दोस्तों और जब वे सार्वजनिक होते हैं तो निर्दोष दर्शकों के बारे में है।

कॉटन ने कहा कि तीनों पूर्व वरिष्ठ अधिकारयों की सुरक्षा हटाने के ट्रंप के फैसले से भविष्य में सबसे योग्य सलाहकारों को नियुक्त करने की राष्ट्रपति की क्षमता पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। यह राष्ट्रपति के लिए अच्छे लोगों को पाने और अच्छी सलाह पाने की क्षमता के बारे में भी है। अमेरिका नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, उनके सहयोगी ब्रायन हुक और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन की सुरक्षा हटा दी थी। पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, उनके सहयोगी ब्रायन हुक को ईरान से धमकियां मिलने के कारण सुरक्षा दी गई थी। दोनों ने ट्रंप के पहले प्रशासन के दौरान ईरान पर सख्त रुख अपनाया था। यह कदम ट्रंप की वापसी के बाद उन लोगों को निशाना बनाने का संकेत है, जिन्हें वे विरोधी मानते हैं। इससे पहले, ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन की सुरक्षा भी वापस ली थी, जिन्होंने एक किताब लिखी थी, जिससे ट्रंप नाराज थे। इस फैसले पर ट्रंप ने कहा था कि क्या आप चाहते हैं कि लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में लोग जीवन भर तैनात रहें?

बेलारूस ने अमेरिकी महिला को किया रिहा, राष्ट्रपति चुनाव के एग्जिट पोल में लुकाशेंको को बढ़त

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस ने राष्ट्रपति चुनाव के बीच हिरासत में ली गई अमेरिकी महिला को रिहा कर दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि बेलारूस ने अमेरिकी महिला अनास्तासिया नुफर को रिहा कर दिया है। उसे निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में हिरासत में लिया गया था। बेलारूस ने यह नहीं बताया कि महिला को कब और क्यों हिरासत में लिया गया था। बेलारूस के इस कदम को पश्चिम देशों के साथ संबंधों को बेहतर करने का प्रयास माना जा रहा है।

दरअसल 2020 में जब देश में राष्ट्रपति चुनाव हुए थे तो लोगों ने बड़े पैमाने पर मतदान में धांधली की आशंका को लेकर विरोध प्रदर्शन किए थे। इस दौरान 65,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया, हजारों लोगों को पीटा गया। इसके बाद पश्चिमी देशों ने बेलारूस की निंदा की और प्रतिबंध लगाए। बताया जाता है कि अभी भी 1250 से अधिक लोग हिरासत में हैं। वहीं राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के विरोधियों ने देश में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव को दिखावा करार दिया।

बेलारूस के पूर्व राजनयिक ने बताया कि अमेरिकी महिला की गिरफ्तारी 2020 के चुनाव के विरोध प्रदर्शन से जुड़ी है। बताया जा रहा है कि महिला को रिहा करने की पेशकश खुद राष्ट्रपति लुकाशेंको ने की थी। इसे लेकर लुकाशेंको के कार्यकर्ता भी हैरान हैं। हालांकि लुकाशेंको के इस कदम को यूक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन करने और विरोध प्रदर्शन के कारण पश्चिमी देशों के साथ संबंध बेहतर करने की कवायद माना जा रहा है।

बेलारूस में चल रहे राष्ट्रपति चुनाव के एग्जिट पोल मौजूदा राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको की जीत की ओर इशारा कर रहे हैं। एग्जिट पोल के मुताबिक लुकाशेंको को 87 फीसदी वोटों से जीत मिलने का अनुमान है। एक समारोह के दौरान लुकाशेंको ने कहा कि हमारे सभी विरोधियों और दुश्मनों को समझना चाहिए कि उम्मीद मत करो। हम 2020 में जो हुआ उसे कभी नहीं दोहराएंगे। बेलारूस कठोर लोकतंत्र वाला देश है। हम किसी पर दबाव नहीं डालते और किसी को चुप नहीं कराते हैं। यूरोपीय संघ ने बेलारूस में चुनाव को अवैध करार देते हुए खारिज कर दिया और नए प्रतिबंधों की धमकी दी।

ट्रंप के गुस्से से डरे कोलंबियाई राष्ट्रपति, कोलंबिया निर्वासित प्रवासियों को स्वीकार करने पर हुए सहमत

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। कोलंबिया निर्वासित प्रवासियों को स्वीकार करने पर सहमत हो गया है. इसके बाद अमेरिका ने टैरिफ लगाने की धमकी वापस ले ली. लेकिन फिलहाल अन्य प्रतिबंधों को बरकरार रखा. इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (स्थानीय समय) को कोलंबिया पर 25 प्रतिशत प्रतिशोधी आपातकालीन टैरिफ की घोषणा की थी. क्योंकि कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने अमेरिकी सैन्य निर्वासन उड़ानों को अवरुद्ध कर दिया था.

पेट्रो की घोषणा के बाद, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में उनकी आलोचना की. उन्होंने कोलंबिया को लक्षित करते हुए कई प्रतिबंधों और नीतियों की घोषणा की. अमेरिकी राष्ट्रपति ने कोलंबिया से सभी आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ, कोलंबियाई नागरिकों के लिए यात्रा प्रतिबंध और अमेरिका में कोलंबियाई अधिकारियों के साथ-साथ सभी सहयोगियों और समर्थकों के लिए वीजा रद्द करना शामिल था.

ट्रंप ने कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो पर आगे हमला करते हुए उन्हें अलोकप्रिय कहा. उन्होंने दावा किया कि इन उड़ानों को अस्वीकार करने से संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा खतरे में पड़ गई है. उन्होंने कहा कि मुझे अभी-अभी बताया गया कि बड़ी संख्या में अवैध अपराधियों के साथ अमेरिका से दो प्रत्यावर्तन उड़ानों को कोलंबिया में उतरने की अनुमति नहीं दी गई.

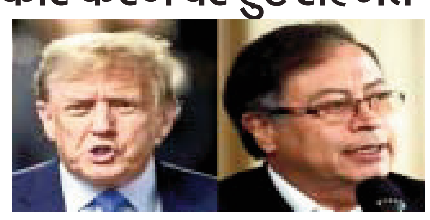

इससे पहले रविवार को, पेट्रो ने देश की ओर जाने वाले प्रवासियों को ले जाने वाली दो अमेरिकी सैन्य उड़ानों को रोकने की घोषणा की थी. उन्होंने अमेरिका से प्रवासियों के साथ अपने व्यवहार में बेहतर प्रोटोकॉल स्थापित करने का आह्वान किया था. उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका कोलंबियाई प्रवासियों के साथ अपराधी जैसा व्यवहार नहीं कर सकता. उन्होंने प्रवासियों को ले जाने वाले अमेरिकी विमानों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया.

अमेरिका कोलंबियाई प्रवासियों के साथ अपराधी जैसा व्यवहार नहीं कर सकता. मैं कोलंबियाई प्रवासियों को ले जाने वाले अमेरिकी विमानों के हमारे क्षेत्र में प्रवेश से इनकार करता हूं. उन्होंने कहा कि अमेरिका को प्रवासियों को स्वीकार करने से पहले उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करने के लिए एक प्रोटोकॉल स्थापित करना चाहिए. ट्रंप ने यह भी कहा है कि एक सप्ताह के बाद, वस्तुओं पर टैरिफ 50 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा.

अवैध अप्रवासियों की तलाश में गुरुद्वारों में छापे मार रही पुलिस, सिख नेता बोले- ये हमारी आस्था के खिलाफ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई जारी है। इसी के तहत अब अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी के अधिकारी अब गुरुद्वारों में भी अवैध अप्रवासियों की तलाश कर रहे हैं। होमलैंड सिक्योरिटी के अधिकारियों ने न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी के गुरुद्वारों में जाकर अवैध अप्रवासियों की तलाश की। हालांकि जांच अधिकारियों की इस कार्रवाई ने सिख संगठनों को नाराज कर दिया है और उन्होंने इसे आस्था से खिलवाड़ बताया है।

ट्रंप ने बदले नियम

न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी के कुछ गुरुद्वारों को लेकर माना जाता है कि वहां सिख अलगाववादी और अवैध अप्रवासी रहते हैं। पूर्व की बाइडन सरकार में ऐसे नियम थे कि पूजास्थलों, स्कूल आदि में

आव्रजन और सीमा सुरक्षा जांच एजेंसियां कार्रवाई नहीं कर पाती थीं। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकारी आदेश से उस पाबंदी को खत्म कर दिया है। होमलैंड सिक्योरिटी के अधिकारियों का कहना है कि अब अपराधी और अवैध अप्रवासी स्कूलों, चर्च या अन्य पूजा स्थलों में छिप नहीं सकेंगे।

वहीं होमलैंड सिक्योरिटी द्वारा गुरुद्वारों में छापेमार कार्रवाई का सिख संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया है। एक बयान में सिख अमेरिकन लीगल डिफेंस एंड एजुकेशन फंड ने संवेदनशील जगहों जैसे पूजास्थलों, स्कूल आदि में तलाशी की आलोचना की। संगठन ने कहा कि गुरुद्वारे सिर्फ पूजा की जगह ही नहीं हैं बल्कि ये सामुदायिक भवन है, जो सिखों और अन्य समुदायों की मदद करते हैं। इस तरह गुरुद्वारों को निशाना बनाने से पूरे सिख समुदाय में नाराजगी पैदा होगी। एक अन्य संगठन ने कहा कि बिना वारंट या वारंट के साथ भी गुरुद्वारों की निगरानी करना अस्वीकार्य है। ये हमारी आस्था पर हमला है और इससे धार्मिक क्रियाकलाप प्रभावित होंगे।

सहयोग न करने वाले देशों पर लगाएंगे प्रतिबंध

अमेरिकी संसद के निचले सदन के स्पीकर माइक जॉनसन ने चेतावनी दी है कि जो भी देश अमेरिका से निर्वासित हुए अपने नागरिकों को वापस लेने में सहयोग नहीं करेगा, उस पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

गौरतलब है कि ट्रंप सरकार ने अमेरिका से अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करना शुरू कर दिया है। कोलंबिया ने पूर्व में अपने निर्वासित नागरिकों को वापस भेजने के अमेरिका के तरीके से नाराजगी जाहिर करते हुए अपने नागरिकों को वापस लेने से मना कर दिया था। जिसके बाद ट्रंप सरकार ने कोलंबिया पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्देश दिया तो कोलंबिया की सरकार ने यू-टर्न लेते हुए अपने निर्वासित नागरिकों को वापस लेने का फैसला किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांस्टेबल सस्पेंड

हेड कांस्टेबल को कार से टक्कर मारने वाले बूटलेगर की जांच में लापरवाही करने वाले कांस्टेबल सस्पेंड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के नानपुरा इलाके में एक बूटलेगर द्वारा हेड कांस्टेबल को कार से टक्कर मारने के मामले की जांच में लापरवाही बरतने के कारण अठवालाइंस पुलिस स्टेशन के एक कांस्टेबल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

घटना का विवरण

शुक्रवार देर रात नानपुरा के टीमलियावाड़ इलाके में वाहन चेकिंग के दौरान अठवा पुलिस के हेड कांस्टेबल काराभाई को बूटलेगर चितार्थ उर्फ चिंटू भरत रांडेरी ने अपनी कार से टक्कर मारने का प्रयास किया। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को पकड़ लिया।

पुलिस स्टेशन में भी आरोपी ने बेताबी दिखाते हुए पुलिसकर्मी को थप्पड़ मार दिया। इससे पहले भी चितार्थ रांडेरी के खिलाफ अठवालाइंस पुलिस स्टेशन में प्रोहिबिशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। इस मामले की जांच कांस्टेबल साजिद को सौंपी गई थी, लेकिन कांस्टेबल साजिद ने जांच में लापरवाही बरती और आरोपी को समय पर गिरफ्तार नहीं किया।

> पुलिस विभाग ने एक कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है, क्योंकि उसने बूटलेगर के खिलाफ उचित और गहन जांच नहीं की। बूटलेगर ने पुलिस को खुलेआम चुनौती दी थी, लेकिन इस मामले में संबंधित अधिकारी ने लापरवाही बरती।
> इस मामले में वरिष्ठ अधिकारियों ने पाया कि जांच प्रक्रिया में गंभीर चूक हुई है। बूटलेगर की हरकतें पुलिस की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली थीं, लेकिन कांस्टेबल ने उसकी गतिविधियों पर सही समय पर कार्रवाई नहीं की।

कड़ी कार्रवाई

शहर के पुलिस आयुक्त ने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कांस्टेबल साजिद को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। उन्होंने कहा कि बूटलेगरों को संरक्षण देने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी को कोर्ट में पेशी और जेल भेजा गया

चितार्थ उर्फ चिंटू को पुलिस ने शनिवार को कोर्ट में पेश किया और तीन दिन की रिमांड की मांग की। हालांकि, कोर्ट ने रिमांड अर्जी खारिज कर दी और आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

घटना का परिणाम

32 वर्षीय आरोपी चितार्थ ने वाहन चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मी को कार से टक्कर मारने की कोशिश की और फरार हो गया। पुलिस ने उसे तुरंत गिरफ्तार किया। कोर्ट में उसने आरोप लगाया कि पुलिस ने उसे मारपीट की है।

इस घटना ने पुलिस विभाग में अनुशासन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं, और आयुक्त ने सख्त निर्देश दिए हैं कि ऐसी लापरवाहियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इंस्टाग्राम पर फेमस होने के लिए भाईगिरी का वीडियो बनाने वाले पांच युवकों को भेस्तान पुलिस ने गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान क्षेत्र में इंस्टाग्राम पर फेमस होने के लिए भाईगिरी का वीडियो बनाने वाले पांच युवकों को भेस्तान पुलिस ने गिरफ्तार कर कानूनी चेतावनी दी है। इन पांच युवकों ने

फिल्मी स्टाइल में एंट्री मारकर सार्वजनिक रूप से सिगरेट और शराब की बोतल लेकर डांस किया था। इसके साथ ही एक युवक ने तलवार से केक काटकर मर्डर का सीन क्रिएट किया था। इस वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है।

इंस्टाग्राम पर वायरल हुए वीडियो में देखा जा सकता है कि युवकों ने फिल्मी स्टाइल में टू-व्हीलर पर एंट्री की थी। वे खुद को भाइलोग के रूप में दिखाते हुए नजर आए थे। इसके साथ ही एक युवक ने तलवार से केक काटकर दूसरे युवक पर चाकू से मर्डर का सीन क्रिएट किया था और एक अन्य युवक ने दूसरे के गले पर तलवार रखी थी। यह वीडियो मई 2022 में बनाया गया था, लेकिन हाल ही में सोशल मीडिया पर फिर से वायरल होने के बाद पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वीडियो को ध्यान में रखते हुए भेस्तान पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने तुरंत ही युवकों को ढूंढने की कार्रवाई शुरू की थी। वीडियो के आधार पर जांच करते हुए यह पता चला कि ये युवक भेस्तान के उन्पाटिया इलाके में रहते हैं। पुलिस ने उनके पते पर जांच की और सभी आरोपियों को पकड़ लिया।

पकड़े गए युवकों के नाम

1. अज़हर उर्फ़ सोनू गुलाब पिंजारी (उम्र- 21), व्यवसाय- नौकरी, निवासी- बिसमिल्ला नगर, उन्पाटिया
2. जुनैद इरफान पिंजारी (उम्र- 19), व्यवसाय- नौकरी, निवासी- बिलाल नगर, उन्पाटिया
3. आफ़ताब सुपडू पिंजारी (उम्र- 19), व्यवसाय- मजदूरी, निवासी- बिलाल नगर, उन्पाटिया
4. रिज़वान यूसुफ़ पिंजारी (उम्र- 22), व्यवसाय- मजदूरी, निवासी- बिसमिल्ला नगर, उन्पाटिया
5. शुएब शमसुद्दीन पिंजारी (उम्र- 23), व्यवसाय: टेलर, निवासी- रेशम नगर, उन्पाटिया

इन युवकों को गिरफ्तार किया गया है।

सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई:

आरोपी अज़हर और जुनैद के खिलाफ हथियारबंदी सार्वजनिक आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। जबकि अन्य तीन युवकों पर शांति भंग करने के लिए कानूनी कार्रवाई की गई है।

युवकों ने माफी मांगी

गिरफ्तारी के बाद सभी युवकों ने अपनी गलती के लिए माफी मांगी और कहा कि यह वीडियो पुराना था। उन्होंने पुलिस को यह वचन दिया कि वे फिर कभी ऐसे खतरनाक वीडियो नहीं बनाएंगे और लोगों को गुमराह नहीं करेंगे।

पुलिस की चेतावनी

भेस्तान पुलिस ने इस मौके पर सभी युवाओं से सोशल मीडिया पर सही और कानूनी तरीके से व्यवहार करने का आग्रह किया है। भविष्य में ऐसे वीडियो बनाते हुए पकड़े गए तो सख्त कदम उठाए जाने की चेतावनी दी गई है।

सूदखोरों के खिलाफ अभियान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत शहर पुलिस D.C.P ZONE-6 श्री राजेश परमार साहेब की अध्यक्षता में सूदखोरों के खिलाफ जनजागरूकता हेतु भेस्तान पुलिस स्टेशन द्वारा राहत सोसाइटी दादा कम्युनिटी हॉल, उं.पटिया में 28/1/2025 को शाम 4:00 बजे से लोक-संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

इस लोक-संवाद कार्यक्रम में उपस्थित थे सुरत शहर पुलिस D.C.P ZONE-6 श्री राजेश परमार साहेब, आई डिवीजन A.C.P श्री एन.पी. गोहिल साहेब, भेस्तान पुलिस स्टेशन के पी.आई श्री वी.एल. पटेल साहेब, सचिन जी.आई.डी.सी पुलिस स्टेशन के पी.आई श्री के.ए. गोहिल साहेब, सचिन पुलिस स्टेशन के पी.आई श्री पी.एन. वाघेला साहेब सहित जोन-6 पुलिस महकमे के अधिकारी। उन्होंने जनता से जाकर उनके सवाल सुने और सब्जी, पत्थर व अन्य व्यवसाय से जुड़े छोटे-बड़े व्यापारियों और स्थानीय नेताओं से संवाद किया। सूदखोरों द्वारा परेशान किए जाने या उच्च ब्याज दर वसूलने की सूचना पुलिस को देने की अपील की गई और ऐसे सूदखोरों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

पत्नी की भूल से पति की जान गई

बिहार में पत्नी से अनजाने नंबर पर 2 लाख ट्रांसफर हुए, सूरत में पति ने दी जान, पत्नी ठगी का शिकार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पत्नी द्वारा अनजाने नंबर पर 2 लाख रुपये ट्रांसफर करने के बाद पति ने आत्महत्या कर ली। पत्नी ठगी का शिकार हो गई थी, और इसके चलते यह दुखद हादसा हुआ।

घटना का विवरण

बिहार के एक युवक ने हाल ही में अपनी पत्नी से अनजाने नंबर पर 2 लाख रुपये ट्रांसफर किए थे। यह रकम एक ठग ने पत्नी को धोखा देकर मांग ली थी। हालांकि, पत्नी को इसकी जानकारी नहीं थी कि वह ठगी का शिकार हो रही थी और उसने बिना सोचे-समझे पैसे ट्रांसफर कर दिए थे।

जब पति को इस बात का पता चला, तो वह बहुत परेशान हुआ और मानसिक तनाव में आ गया। इस घटना ने उसे गहरे शोक में डाल दिया। उसके मन में गुस्सा और निराशा भर गई और उसने अंततः आत्महत्या कर ली।

पत्नी की स्थिति

पत्नी ने बाद में पुलिस से संपर्क किया और इस ठगी की घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ठग के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

नतीजा

यह घटना यह दिखाती है कि ऑनलाइन ठगी का शिकार होने के बाद मानसिक दबाव और तनाव से बचने के लिए सही मार्गदर्शन और सहायता जरूरी है। ऐसे धोखाधड़ी मामलों में लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है ताकि उन्हें भविष्य में इस तरह की समस्याओं का सामना न करना पड़े।

सूरत के सचिन इलाके में रहने वाले 31 वर्षीय युवक ने जहर पीकर आत्महत्या कर ली। बिहार में रहने वाली पत्नी की एक गलती की वजह से सूरत में रहने वाले पति को अपनी जान गंवानी पड़ी। पत्नी ने अनजान नंबर पर मोबाइल से पैसे ट्रांसफर कर दिए थे। इसके बाद जब उसने इस बात की जानकारी सूरत में रहने वाले पति को दी, तो दोनों के बीच इस मुद्दे पर झगड़ा हो गया। इसके चलते पति ने जंगल में जाकर जहरीला पदार्थ पी लिया और आत्महत्या कर ली।

युवक ने जहर पीकर की आत्महत्या

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के सचिन स्लम बोर्ड, डायमंड गेट के पास शांतिपार्क में रहने वाले 31 वर्षीय अनिल कुमार जगन्नाथ राय ने बीती शाम सचिन स्लम बोर्ड मंदिर के पास झाड़ियों में जाकर जहरीला पदार्थ पी लिया। उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक अनिल कुमार मूल रूप से बिहार का निवासी था। उसके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। पत्नी बेबी देवी और बच्चे बिहार में रहते हैं, जबकि अनिल सूरत में रहकर पंचर बनाने का काम करता था और परिवार का गुजारा करता था।

पत्नी ने अनजान नंबर पर पैसे ट्रांसफर किए

कुछ दिन पहले अनिल कुमार की पत्नी को एक अनजान नंबर से कॉल आया, जिसमें कॉलर ने कहा कि आपके खाते से 2 लाख रुपये ट्रांसफर हो गए हैं, कृपया इन्हें वापस कर दें।

पत्नी ने गलती से मोबाइल के जरिए अनजान नंबर पर पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उन्होंने इस बात की जानकारी सूरत में रहने वाले पति को दी। पत्नी की इस गलती को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और इसके बाद पति ने यह कदम उठाया।

घटना के संबंध में सचिन पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

नवागाम डिंडोली में कक्षा 7 के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवागाम डिंडोली में कक्षा 7 के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। स्कूल से घर आने के बाद छात्र ने कहा कि वह नोटबुक लेने जा रहा है और बाहर चला गया। वापस घर लौटने पर मां ने उसे घूमने-फिरने को लेकर डांटा और पिता को बताने की बात कही। इस पर छात्र ने आत्महत्या कर ली।

नवागाम केशवनगर में रहने वाले रोहीदास पाटिल मजदूरी का काम करते हैं। उनकी पत्नी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं और परिवार की आर्थिक मदद करती हैं। उनका 13 वर्षीय बेटा संकेत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के स्कूल में कक्षा 7 में पढ़ता था। सोमवार दोपहर स्कूल से घर लौटने के बाद संकेत ने अपनी बहन से कहा कि वह एक दोस्त के घर से नोटबुक लेने जा रहा है और साइकिल लेकर चला गया।

जब उसकी मां काम से घर लौटीं और संकेत को बाहर से आते देखा, तो उन्होंने उसे घूमने को लेकर डांटा और उसके पिता को फोन करने लगीं। संकेत ने फोन छीनने की कोशिश की, जिसमें फोन गिरकर टूट गया। इसके कारण डर के मारे संकेत ने घर के अंदर फांसी लगा ली।

उसे तुरंत फंदे से उतारकर इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मां की डांट और पिता के डर के कारण उसने यह कदम उठाया, ऐसा माना जा रहा है।

> **घटना का विवरण**
> नवागाम केशवनगर में रहने वाले मजदूर रोहीदास पाटिल का 13 वर्षीय बेटा संकेत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की स्कूल में 7वीं कक्षा में पढ़ता था। सोमवार को जब संकेत स्कूल से घर आया, तो उसने अपनी बहन से कहा कि उसे दोस्त के घर से नोटबुक लानी है और साइकिल लेकर चला गया।
> जब संकेत अपनी माँ के काम से घर लौटने के बाद वापस आया, तो उसकी माँ ने उसे बाहर घूमने और बेवजह घर से बाहर जाने पर डांटा। माँ ने गुस्से में कहा कि वह उसकी हरकतों के बारे में उसके पिता को फोन पर बताएंगी। संकेत ने फोन छीनने की कोशिश की, जिससे फोन गिरकर टूट गया।

एकल रन 2.0 का आयोजन नौ फरवरी को प्रोमो रन में 250 लोगों ने लिया हिस्सा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वनबंधु परिषद एवं युवा टीम द्वारा हाफ मैराथन एकल रन 2.0 का आयोजन नौ फ़रवरी को किया जाएगा। एकल रन के इवेंट चेयरमैन श्रीनारायण पेड़ीवाल ने बताया की एकल रन में सूरत के अलावा देश के अनेकों राज्यों से लगभग छ- हज़ार धावक भाग लेंगे। यह मैराथन 21, 10, 5 और 3 कि. मी. श्रेणियों में होगी। गत वर्ष सम्पन्न हुए इस इवेंट में एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन के सभी मानकों को सफलता पूर्वक पूरा करने के कारण इसे ए.आई.एम.एस. सर्टिफाईड का दर्जा हासिल है। मैराथन का आयोजन ५रन तो एजुकेट५ की थीम पर किया जाएगा एवं इसके माध्यम से वनवासी गांवों में एकल विद्यालय ला संचालन किया जाएगा।

मैराथन के पूर्व रविवार को प्रोमो रन का आयोजन किया गया। जिसमे 250 लोगों ने हिस्सा लिया। प्रोमो रन में एकल अभियान द्वारा देश के वनवासी क्षेत्रों में चलाये जा रहे साक्षरता अभियान संदेश दिया एवं लोगों को एकल रन 2.0 में जुड़ने के लिये प्रेरित किया।